राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार, 25 फरवरी–2023 वर्ष–6,अंक–33 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक में पीएम मोदी बोले, कोविड-19 के दुष्परिणामों का अभी भी सामना कर रहे कई देश

पीएम मोदी ने शुक्रवार को जी-20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कई देश विशेष रूप से विकासशील अर्थव्यवस्थाएं अभी भी कोविड-19 के दुष्परिणामों का सामना कर रही हैं।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जी20 वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स की बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कोविड महामारी से वैश्विक अर्थव्यवस्था को जोर का झटका लगा है। कई देश विशेष रूप से विकासशील अर्थव्यवस्थाएं अभी भी इसके दुष्परिणामों का सामना कर रही हैं।

गंभीर आर्थिक कठिनाईयों का सामना कर रही दुनिया

पीएम मोदी ने कहा, आप ऐसे समय में वैश्विक वित्त और अर्थव्यवस्था के नेतृत्व का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं जब दुनिया गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रही है। कोविड ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को सदी में एक बार लगने वाला झटका दिया था। उन्होंने कहा कि हम दुनिया के विभिन्न हिस्सों में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव को भी देख रहे हैं।

समावेशी एजेंडा बनाना जरूरी

प्रधानमंत्री ने कहा, भारतीय उपभोक्ता और निर्माता भविष्य को लेकर आशान्वित और आश्वस्त हैं। हम आशा करते हैं कि आप उसी सकारात्मक भावना को वैश्विक अर्थव्यवस्था में

● कोविड ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को सदी में एक बार लगने वाला झटका दिया था। उन्होंने कहा कि हम दुनिया के विभिन्न हिस्सों में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव को भी देख रहे हैं।

प्रसारित करने में सक्षम होंगे। मैं आग्रह करूंगा कि आपकी चर्चा दुनिया के सबसे कमजोर नागरिकों पर केंद्रित होगी। समावेशी एजेंडा बनाकर ही वैश्विक आर्थिक नेतृत्व दुनिया का विश्वास वापस जीत पाएगा।

अस्थिरता और दुरुपयोग का जोखिम

पीएम मोदी ने कहा, वित्त की दुनिया में प्रौद्योगिकी तेजी से हावी हो रही है। महामारी के दौरान डिजिटल भुगतान ने संपर्क रहित और निर्बाध लेनदेन को सक्षम बनाया। हालांकि, डिजिटल वित्त में हाल के कुछ नवाचारों में अस्थिरता और दुरुपयोग का जोखिम भी है। मुझे आशा है कि आप यह पता लगाएंगे कि इसके संभावित जोखिमों को नियंत्रित करने के लिए मानक विकसित करते समय तकनीक की शक्ति का उपयोग अच्छे के लिए कैसे किया जा सकता है। भारत का अपना अनुभव एक आदर्श हो सकता है।

हमने एक नई प्रणाली बनाई

प्रधानमंत्री ने कहा, जैसा कि आप भारत की टेक कंपनी, बेंगलुरु में मिल रहे हैं, आपको प्रत्यक्ष अनुभव होगा कि कैसे भारतीय उपभोक्ताओं ने डिजिटल भुगतान को अपनाया है। वास्तव में, हमारे जी-20 अध्यक्षता के दौरान, हमने एक नई प्रणाली बनाई। यह हमारे त20 मेहमानों को भारत के पथप्रदर्शक डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म PI का उपयोग करने की अनुमति देता है।-

60 सदस्यीय विधानसभा की 59 सीटों पर 27 फरवरी को पड़ेंगे वोट, एक निर्विरोध निर्वाचित

दिमापुर। नगालैंड को राज्य गठन के छह दशक बाद भी अपनी पहली महिला विधायक का इंतजार है। नेफा से 1963 में अलग होकर नगालैंड राज्य बना था। इस बार विधानसभा चुनाव में भाजपा, एनडीपीपी और कांग्रेस ने कुल चार महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया है। एक समय था, जब किसी महिला को टिकट नहीं दिया जाता था। इसका कारण यह है कि नगा परंपरा के मुताबिक सामाजिक फैसले लेने का अधिकार केवल पुरुषों को है। हालांकि, राज्य से दो महिलाएं सांसद बन चुकी हैं। पहली बार रानो एम शाजा 1977 में सांसद बनी थीं। उसके बाद 2022 में भाजपा की एस फांनोन कोन्याक राज्यसभा सदस्य बनीं। नगालैंड की 60 सदस्यीय विस की 59 सीटों पर 27 फरवरी को चुनाव कराए जाएंगे। एक सीट पर भाजपा के उम्मीदवार कझेतो किनिमी निर्विरोध चुने गए हैं।

भाजपा और एनडीपीपी गठबंधन हावी

भाजपा के नगालैंड प्रभारी नलिन कोहली ने कहा कि भाजपा और एनडीपीपी का गठबंधन काफी मजबूत है। उन्होंने कहा कि भाजपा इस बार पिछली बार के मुकाबले अधिक सीटें जीतेगी। उन्होंने दावा किया नगालैंड में अगली सरकार भाजपा-गठबंधन की बनेगी।

मेडिकल कॉलेज बना मुद्दा

इस बार चुनाव में राज्य में एक भी मेडिकल कॉलेज नहीं होने का मुद्दा छाया हुआ है। मोन और कोहिमा में मेडिकल कॉलेज का अभी तक निर्माण पूरा नहीं हुआ है। इस कारण राज्य के बच्चों को मेडिकल की पढ़ाई और रोगियों को इलाज के लिए देश के अन्य हिस्सों में जाना पड़ता है। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा कि नगा शांति समझौते के समाधान का लंबे समय से इंतजार है। थरूर ने कोहिमा में कांग्रेस भवन में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे।

कर्नाटक के धारवाड़ में सड़क हादसा, पांच की मौत

धारवाड़। कर्नाटक के धारवाड़ में एक कार और ट्रक की भीषण टक्कर में एक बच्चे सहित पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, इस हादसे में चार अन्य घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, कार ने एक ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी, जिसके बाद से यह दर्दनाक हादसा हुआ। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। जानकारी के अनुसार, घटना गुरुवार रात धारवाड़ के तेगुर गांव के पास हुई। पुलिस ने बताया कि कार और ट्रक धारवाड़ की ओर जा रहे थे। कार चालक ने एक राहगीर को टक्कर मारने से बचने की कोशिश की, लेकिन एक ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। इस टक्कर के साथ ही पैदल यात्री इरन्ना रामनगौदर की भी मौत हो गई। वहीं, इस घटना में कुल पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान नागप्पा इरप्पा मुद्दोजी (29), महंतेश बसप्पा मुद्दोजी (40), बसवराज शिवपुत्रप्पा नरगुंड (35), इरन्ना गुरुसिद्दप्पा रामगौदर (35) और श्रीकुमार नरगुंड (5) के रूप में हुई है। इसके साथ ही घायलों की पहचान श्रवण कुमार बसवराज नरगुंड (7), मडियावलप्पा राजू अलनावर

कर्नाटक के धारवाड़ में एक कार और ट्रक की भीषण टक्कर में एक बच्चे सहित पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं इस हादसे में चार अन्य घायल हो गए।

(22), प्रकाशगौड़ा शंकरगौड़ा पाटिल (22) और मंजूनाथ महंतेश मुद्दोजी (22) के रूप में हुई है। मालूम हो कि दो घायलों को KIMS में भर्ती कराया गया है और दो अन्य को धारवाड़ के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कहा कि मामले में आगे की जांच की जा रही है।

अगर बेटा बालिग है तो भी पिता को देना होगा गुजाराभत्ता, दिल्ली की कोर्ट ने दिया आदेश

नई दिल्ली। बच्चों के लिए गुजाराभत्ता देने के एक मामले में अदालत ने महत्वपूर्ण फैसला दिया है। अदालत ने कहा है कि अगर बेटा बालिग है तो भी वह अपने पिता से गुजाराभत्ता पाने का हकदार है। सिर्फ बालिग बेटी को ही शादी तक गुजाराभत्ता पाने का अधिकार नहीं है।

साकेत कोर्ट स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आरके सिंह की अदालत ने एक व्यक्ति की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने कहा था कि पत्नी के साथ रह रहा बेटा बालिग हो चुका है। अब उसे गुजाराभत्ता देने की जरूरत नहीं है। इस पर अदालत ने टिप्पणी की कि सामान्य परिवारों में बच्चे बालिग होने के कई साल बाद तक अपनी शिक्षा जारी रखते हैं। उनका तमाम खर्च पिता अथवा माता-पिता दोनों उठाते हैं। यहां तक कि बालिग के बच्चे के अच्छी नौकरी में जाने तक यह सिलसिला जारी रहता है। फिर पिता से अलग रहने वाले बेटे को यह अधिकार क्यों नहीं मिलना चाहिए। अदालत ने यह भी कहा कि पारिवारिक विवाद के कारण मां के

साथ अलग रहने वाले बच्चे को तो अधिक सहायता की आवश्यकता होती है। पिता की मासिक आमदनी भी अच्छी-खासी है। फिर उसे बालिग बेटे को गुजाराभत्ता देने में आपत्ति क्यों है। अदालत ने कहा कि मां के साथ रह रहे बेटे के साथ पिता का यह व्यवहार अस्वीकार्य है। अदालत ने यह भी कहा कि यह कानूनी ही नहीं नैतिक जिम्मेदारी भी है।

बालिग बेटी को गुजाराभत्ता देने का है प्रावधान- इससे पहले आए कई बड़े फैसलों से यह निर्धारित हो गया था कि बालिग बेटी शादी होने तक शिक्षा से लेकर विवाह तक के तमाम खर्च पिता से ले सकती हैं। इसके लिए पिता इनकार नहीं कर सकता, लेकिन अब इस फैसले ने शिक्षा प्राप्त कर रहे बालिग बेटे को भी यह भत्ता पाने का रास्ता खोल दिया है।

गुजाराभत्ता कम करने का कर सकता है आग्रह

अदालत ने याचिकाकर्ता पिता को कहा है कि वह बेटे के बालिग होने के आधार की बजाय अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए संशोधन की मांग कर सकता है। वह यह कह सकता है कि गुजाराभत्ता रकम अधिक है, लेकिन यह नहीं कह सकता कि वह बालिग बेटे को गुजाराभत्ता नहीं देगा।

युवा संबल योजना के तहत उदयपुर जिला प्रदेश में नंबर वन रैंक पर

उदयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा बेरोजगार युवाओं को राहत प्रदान करने के लिए लागू की गई मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत उदयपुर जिला प्रदेश में नंबर वन रेंक पर पहुंच गया है।

जिला कलक्टर ताराचंद मीणा ने बताया कि उदयपुर जिले में 1341 बेरोजगारों द्वारा मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत पंजीयन कराया गया था जिसमें से शत-प्रतिशत पंजीकृत युवाओं ने इंटर्नशिप में भाग लिया जिससे सभी 1341 युवा बेरोजगारी प्राप्त कर रहे है। इनमें 652 पुरूष एवं 689 महिलाएं बेरोजगार युवा शामिल है।

उन्होंने बताया जिले में राज्य सरकार के निर्देशानुसार योजना अन्तर्गत पात्र प्रार्थियों को बेरोजगारी भत्ते का समय पर भुगतान किया जा रहा है। योजना के तहत पुरूष बेरोजगार को 4000 रूपए प्रतिमाह का भुगतान तथा महिला, ट्रांसजेंडर, विशेष योग्यजन (निःशक्तजन) बेरोजगार को 4500 रूपए प्रतिमाह का भुगतान योजनान्तर्गत किया जा रहा है जिससे युवाओं को काफी राहत मिल रही है।

10 साल की जेल और 1 करोड़ रुपए जुर्माना; पेपर लीक रोकने के लिए गुजरात में सख्त कानून

गांधीनगर। सरकारी नौकरियों की भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने से रोकने के लिए गुजरात विधानसभा में लाया गया एक बिल सर्वसम्मति से पास हो गया। इस बिल में इस तरह के कृत्य के लिए 10 साल तक की कैद की सजा का प्रावधान है। बिल के प्रावधानों के अनुसार, आरोपी को 10 लाख रुपये से कम के जुर्माने का भी भुगतान करना होगा, जिसे 1 करोड़ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। गुजरात विधानसभा में गुजरात सरकारी परीक्षा (अनुचित साधन रोकथाम) विधेयक, 2023, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी द्वारा पेश किया गया। बहस के बाद इस विधेयक को सदन से पारित कर दिया गया। विपक्षी दल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के

सदस्यों ने भी विधेयक का समर्थन किया। बिल का उद्देश्य अनुचित साधनों पर अंकुश लगाना है, जिसमें प्रश्न पत्र को लीक करना या लीक करने का प्रयास करना, अनधिकृत तरीके से प्रश्न पत्र प्राप्त करना और प्रश्न पत्र को अनधिकृत तरीके से हल करना शामिल है।

नकल करने वालों पर भी नकेल कसी

बिल के अनुसार, यदि कोई परीक्षार्थी ऐसे अनुचित साधनों में लिप्त पाया जाता है तो उसे तीन वर्ष तक के कारावास की सजा होगी और कम से कम एक लाख रुपये का जुर्माना देना होगा।

आरजेडी को फिर धोखा देंगे नीतीश, सुशील मोदी का आरोप; कहा- बेटे को सीएम बना अपना सपना पूरा करें लालू

वहीं, यदि कोई व्यक्ति निरीक्षण दल के किसी सदस्य या परीक्षा प्राधिकारी द्वारा नियुक्त किसी व्यक्ति को काम करने के दौरान बाधा उत्पन्न करता है या धमकी देता है, तो उसे भी तीन साल तक की कैद होगी और उसपर कम से कम एक लाख रुपये तक जुर्माना लगेगा।

यदि परीक्षार्थी सहित कोई भी व्यक्ति अनुचित साधनों में लिप्त होता है या अधिनियम के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करता है, तो उसे पांच साल के कारावास से दंडित किया जाएगा जो दस साल तक बढ़ सकता है।

फरवरी में गर्मी दिखा रही मार्च का ट्रेलर !

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में फरवरी के महीने में ही बढ़ता तापमान लोगों को परेशान कर रहा है। आने वाले दिनों में भी इससे राहत नहीं मिलने वाली है। मौसम विभाग ने बताया कि देश के किन हिस्सों में तापमान बढ़ने वाला है। इसके साथ ही कुछ राज्यों में बारिश का अनुमान भी जताया गया है।

तीन-पांच डिग्री बढ़ेगा तापमान

मौसम विभाग की मानें तो उत्तर पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान सामान्य से तीन से पांच डिग्री अधिक रहने की संभावना है। अभी भी उत्तर पश्चिम, सेंट्रल और पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान सामान्य से तीन से पांच डिग्री अधिक है। विभाग ने बताया कि अगले 2 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है। इसके बाद तापमान 2-3 डिग्री बढ़ सकता है।

गुजरात में भी बढ़ेगा तापमान

मौसम विभाग ने बताया कि गुजरात में अगले तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होने की संभावना है। इसके बाद तापमान में धीरे-धीरे लगभग 2 डिग्री की वृद्धि होगी। हालांकि, अगले पांच दिनों के दौरान देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है। विभाग ने

बताया कि महाराष्ट्र, तेलंगाना, झारखंड और छत्तीसगढ़ के अधिकतर हिस्सों में अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री रिकॉर्ड किया जा रहा है।

पूर्वोत्तर भारत में बारिश का अनुमान

मौसम विभाग ने बताया कि अगले 24 घंटों के दौरान अरुणाचल प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश की काफी संभावना है। इसके अलावा उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम, मेघालय, नगालैंड और मणिपुर में अलग-अलग जगहों पर बारिश होने की संभावना है।

पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव

विभाग ने जानकारी दी कि ताजा पश्चिमी विक्षोभ 25 फरवरी से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। इसके प्रभाव से 25 से 27 फरवरी के दौरान जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की से मध्यम छिटपुट वर्षा होने की संभावना है।

देश के कई हिस्सों में अभी से ही तापमान में वृद्धि देखने को मिल रही है। मौसम विभाग ने बताया कि अगले पांच दिनों के दौरान तापमान में तीन से पांच डिग्री इजाफा होने की संभावना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

आप की महापौर

राजनीतिक धींगामुश्ती के चलते तीन बार टला एमसीडी महापौर का चुनाव आखिरकार चौथी बार सिरे चढ़ ही गया। दिल्ली की सबसे छोटी प्रशासनिक इकाई में डेढ़ दशक बाद आखिरकार भाजपा का वनवास हो गया और राजतिलक आप की शैली ओबेरॉय का हुआ। जिन्हें निर्धारित न्यूनतम वोटों से अधिक 150 पार्षदों के वोट मिले। शैली ने भाजपा की रेखा गुप्ता को 34 वोटों के अंतर से हराया। आखिरकार शीर्ष अदालत की दखल के बाद हुए इस चुनाव को आप अपनी नीतियों की जीत बता रही है। दरअसल, दिसंबर 2022 में हुए दिल्ली नगर निगम चुनाव के बाद भाजपा 15 साल राज करने के बाद सत्ता से बाहर हो गई। जहां आम आदमी पार्टी को 134 सीटें मिली थी, वहीं भाजपा को 104 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा था। वहीं दूसरी ओर डिप्टी मेयर के पद पर भी आप के आले मोहम्मद इकबाल आसीन हुए। दरअसल, बुधवार को हुए चुनाव में कांग्रेस के नौ पार्षदों ने चुनाव में भाग नहीं लिया। बहरहाल, अच्छी बात है कि मेयर चुनाव के लिये चौथी बार हुए मतदान में इस बार न हाथापाई हुई और न ही नारेबाजी। उल्लेखनीय है कि विपक्षी पार्षदों के लगातार हंगामे के बाद आप की मेयर पद की उम्मीदवार शैली ओबेरॉय चुनाव कराने के लिये सुप्रीम कोर्ट चली गई थीं। दरअसल, एक विवाद का विषय उप राज्यपाल द्वारा मनोनीत सदस्यों के वोटिंग अधिकार को लेकर था। तब सुप्रीम कोर्ट ने आप प्रत्याशी के पक्ष में निर्देश देते हुए कहा था कि दिल्ली में एमसीडी मेयर के चुनाव में मनोनीत सदस्य मतदान नहीं कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि मेयर चुनाव में कुल 274 पार्षदों के बीच 138 वोट हासिल करने जरूरी थे। वैसे शैली ओबेरॉय ने एमसीडी का ताज तो हासिल कर लिया है, लेकिन उनकी सल्तनत सिर्फ 31 मार्च तक ही रहेगी। बहरहाल, यह वक्त बतायेगा कि अपने 38 दिन के कार्यकाल में शैली ओबेरॉय जनता की आकांक्षाओं पर कितना खरा उतर पायेंगी। दरअसल, डीएमसी की धारा दो (67) के अनुसार दिल्ली नगर निगम का साल एक अप्रैल से आरंभ होकर अगले साल 31 मार्च तक समाप्त होता है। फिर कायदे से नये महापौर का चुनाव होगा। बहरहाल, दिल्ली नगर निगम के चुनाव के अस्सी दिन के बाद दिल्ली को अपना नया मेयर मिल ही गया है। वह भी एक दशक बाद मेयर के रूप में महिला मेयर मिली है, इससे पहले भाजपा की महिला मेयर बनी थी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 में जिस दिल्ली नगर निगम को तीन भागों में बांटा गया था, उन्हें एक बार फिर बीते साल एक कर दिया गया था। एकीकरण के बाद यह पहला चुनाव था, जिसमें आप ने बाजी मारी है। अब देखना होगा कि आप अपने वायदे के अनुसार दस गारंटियों व विवादित लैंडफिल मामले में किस हद तक सफल होती है। लेकिन अभी दिल्ली की मेयर शैली के लिये बड़ी चुनौती एमसीडी में स्थायी समितियों के चयन व समर्थन हासिल करने की होगी। दरअसल, स्थायी समिति के छह सदस्यों के चुनाव के लिये सीधे चुनाव का फार्मूला लागू होता है,जिसमें वरीयता क्रम में पहले 36 वोट पाने वाले पार्षद की जीत होती है। यदि कांग्रेस के पार्षद मतदान करते हैं तो आप को उसका फायदा मिलेगा। उसके 134 वोट होने के कारण उसे पहली तीन सीटें मिल सकती हैं। ऐसे में आप के लिये नगर निगम के भीतर मनमाना फैसला ले पाना आसान भी नहीं होगा क्योंकि कार्यकारी शक्तियां चुनी गई स्थायी समितियों के पास ही होती हैं। जबकि मेयर के पास व्यवस्था चलाने की सीमित शक्तियां ही होती हैं। बहरहाल, दिल्ली में आखिरकार बहुमत का जनादेश पाने वाले दल को ही कामयाबी मिली है।

भारत में सुधरेगी खेलों की दशा

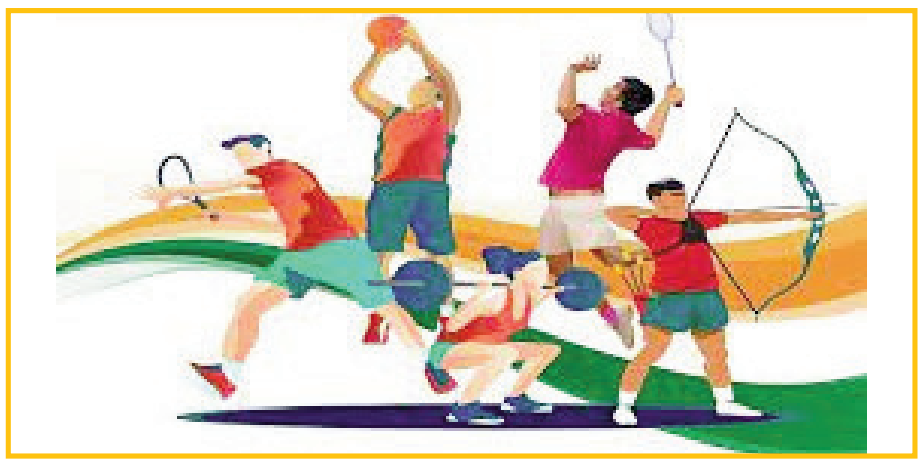

अध्यक्ष के रूप में उन्हें जो अवसर मिला है। उसका फायदा आने वाले कई पीढ़ियों को मिल सकता है। भारतीय ओलंपिक संघ की पीटी उषा 15 वीं अध्यक्ष बनी है। इससे पूर्व चुने गए 14 अध्यक्षों में से कोई भी खिलाड़ी नहीं रहा है। 1927 में भारतीय ओलंपिक संघ की स्थापना के समय दोराबजी टाटा पहले अध्यक्ष बने थे। वह प्रतिष्ठित टाटा समूह से जुड़े हुए थे। उनके बाद महाराजा भूपिंदर सिंह, महाराजा यदाविंद्र सिंह, भलिंद्र सिंह, ओमप्रकाश मेहरा, बलिंदर सिंह, विद्या चरण शुक्ला, शिवांथी अदिथन, सुरेश कलमाडी, विजय कुमार मल्होत्रा, सुरेश कलमाडी, अजय सिंह चैटाला, नारायण रामचंद्रन, नरिंदर बत्रा अध्यक्ष रह चुके हैं। भारतीय ओलंपिक संघ भारत की राष्ट्रीय ओलंपिक समिति है।

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

भारतीय खेल जगत में उड़न परी के नाम से मशहूर पीटी उषा के भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष बनने के बाद अब लगने लगा है कि आने वाले समय में भारत में खेलों की दशा सुधरेगी। पीटी उषा स्वयं एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की धावक रही है तथा भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष बनने वाली पहली महिला है। भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन में अभी तक गैर खिलाड़ी व पुरुषों का ही वर्चस्व रहा है। यह पहला अवसर है जब संघ की अध्यक्ष के रूप में एक महिला और वह भी खिलाड़ी की नियुक्ति हुई है। खिलाड़ी होने के नाते पीटी उषा को खिलाड़ियों के समक्ष आने वाली सभी समस्याओं की पूरी जानकारी है। एक खिलाड़ी के रूप में उन्हें भी अपने कैरियर में विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ा था। ऐसे में ओलंपिक संघ के अध्यक्ष के रूप में पीटी उषा भारत में खेल व खिलाड़ियों की दशा सुधारने की दिशा में कई बेहतर काम कर सकती है। अध्यक्ष के रूप में उन्हें जो अवसर मिला है। उसका फायदा आने वाले कई पीढ़ियों को मिल सकता है। भारतीय ओलंपिक संघ की पीटी उषा 15 वीं अध्यक्ष बनी है। इससे पूर्व चुने गए 14 अध्यक्षों में से कोई भी खिलाड़ी नहीं रहा है। 1927 में भारतीय ओलंपिक संघ की स्थापना के समय दोराबजी टाटा पहले अध्यक्ष बने थे। वह प्रतिष्ठित टाटा समूह से जुड़े हुए थे। उनके बाद महाराजा भूपिंदर सिंह, महाराजा यदाविंद्र सिंह, भलिंद्र सिंह, ओमप्रकाश मेहरा, बलिंदर सिंह, विद्या चरण शुक्ला, शिवांथी अदिथन, सुरेश कलमाडी, विजय कुमार मल्होत्रा, सुरेश कलमाडी, अजय सिंह चैटाला, नारायण रामचंद्रन, नरिंदर बत्रा अध्यक्ष रह चुके हैं। भारतीय ओलंपिक संघ भारत की राष्ट्रीय ओलंपिक समिति है। जिसका कार्य ओलंपिक खेलों, एशियाई खेलों व अन्य अंतरराष्ट्रीय बहू खेल प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एथलीटों का चयन करना और भारतीय दल का प्रबंधन करना है। यह भारतीय राष्ट्रमंडल खेल संघ की तरह भी कार्य करता है तथा राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एथलीटों का भी चयन करता है। इस संघ के पदाधिकारियों का चुनाव प्रत्येक 4 वर्ष बाद होता है। भारतीय ओलंपिक समिति के सदस्यों में राष्ट्रीय खेल संघों, राज्य ओलंपिक संघ और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और अन्य चुनिंदा बहू खेल संगठनों के सदस्य शामिल हैं। अपने जमाने के दिग्गज धाविका पीटी उषा को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) का पहला महिला अध्यक्ष चुनने से भारतीय खेल प्रशासन में एक नए युग की शुरुआत हुई है। एशियाई खेलों में कई पदक जीतने वाली और 1984 के लॉस एंजलिस ओलंपिक खेलों में 400 मीटर की बाधा दौड़ में चौथे स्थान पर रही 58 वर्षीय उषा को चुनाव के बाद शीर्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। 'पय्योली एक्सप्रेस' और 'उड़न परी' के नाम से मशहूर रही पीटी उषा ने 2000 में संन्यास लेने से पहले भारतीय और एशियाई एथलेटिक्स में दो दशक तक अपना दबदबा बनाये रखा था। पिलावुलकंडी थेक्केपारंबिल उषा का जन्म 27 जून 1964 में पय्योली गाँव में हुआ था। इन्हें पीटी उषा नाम से ही जाना जाता है। इनके पिता का नाम इ पी एम् पैतल एवं माता का नाम टी वी लक्ष्मी है। इनके पहले कोच ओ.एम. नम्बिअर थे। पीटी उषा ने एथलीट के तौर पर अपने अन्तराष्ट्रीय करियर की शुरुवात 1980 में करांची में हुए 'पाकिस्तान ओपन नेशनल मीट' से की थी। इस एथलीट मीट में पीटी उषा ने 4 गोल्ड मैडल भारत के नाम किये थे। इसके बाद 1982 में पीटी उषा ने 'वर्ल्ड जूनियर इनविटेशन मीट' में हिस्सा लेकर 200 मीटर की रेस में गोल्ड मैडल एवं 100 मीटर की रेस में ब्रोंज मैडल जीता था। इसके एक साल बाद ही कुवैत में हुए 'एशियन ट्रैक एंड फील्ड चैम्पियनशीप' में पीटी उषा ने 400 मीटर की रेस में नया रिकॉर्ड कायम किया और गोल्ड मैडल जीता। 1984 में लॉसएंजिल्स में हुए ओलंपिक में पीटी उषा ने सेमी फाइनल के पहले राउंड की 400 मीटर बाधा दौड़ को अच्छे से समाप्त कर लिया था। लेकिन इसके फाइनल में वे हार गई और उनको ब्रोंज मैडल नहीं मिल पाया था। हार के बाद भी पीटी उषा की यह उपलब्धि बहुत बड़ी थी। यह भारत के इतिहास में पहली बार हुआ था जब कोई महिला एथलीट ओलंपिक के किसी फाइनल राउंड में पहुंची थी। इन्होने 55.42 सेकंड में रेस पूरी की थी। जो आज भी भारत के इवेंट में एक नेशनल रिकॉर्ड है। 1985 में पीटी उषा ने इण्डोनेशिया के जकार्ता में 'एशियन ट्रैक एंड फील्ड चैम्पियनशीप' में हिस्सा लेकर 5 गोल्ड और 1 ब्रोंज मैडल जीता। 1986 में सीओल में 10 वें 'एशियन गेम्स'में 200 मीटर, 400 मीटर, 400 मीटर बाधा एवं 4'400 मीटर रिले रेस में हिस्सा लेकर पीटी उषा विजयी रहीं और चारों गोल्ड मैडल भारत के नाम कर दिया। एक ही इवेंट में एक ही एथलीट द्वारा इतने मैडल जीतना अपने आप में एक रिकॉर्ड था। 1989 में उन्होने दिल्ली में आयोजित 'एशियन ट्रैक फेडरेशन मीट' में 4 गोल्ड मैडल एवं 2 सिल्वर मैडल जीते। 1990 में 'बीजिंग एशियन गेम्स' में हिस्सा लिया। इस इवेंट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं होने के बावजूद पी टी उषा ने 3 सिल्वर मैडल अपने नाम किये। 1991 में इन्होने वी श्रीनिवासन से शादी कर ली। जिसके बाद इनका एक बेटा हुआ। 1998 में अचानक सबको चौंकाते हुए 34 साल की उम्र में पीटी उषा ने एथलेटिक्स में वापसी कर दी और जापान के फुकुओका में आयोजित 'एशियन ट्रैक फेडरेशन मीट' में हिस्सा लेकर 200 मीटर एवं 400 मीटर की रेस में ब्रोंज मैडल जीता। 34 साल की उम्र में पीटी उषा ने 200 मीटर की रेस में अपनी खुद की टाइमिंग में सुधर किया और एक नया नेशनल रिकॉर्ड कायम कर दिया। 2000 में पीटी उषा ने एथलेटिक्स से पूरी तरह से संन्यास ले लिया। मौजूदा समय में देश के अधिकांश खेल संघों के पदाधिकारियों पर भेदभाव के आरोप लगना आम बात हो गई है। खेल संघों मे गैर खिलाड़ियों व राजनेताओं के पदाधिकारी बनने से उनका ध्यान खेलों को बढ़ावा देने के बजाय अपने स्वार्थ साधना अधिक रहता है। इसी कारण बहुत से प्रतिभाशाली व योग्य खिलाड़ियों को मौका नहीं मिलने से पिछड़ जाते हैं। भारत की कई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता महिला पहलवानों ने कुश्ती संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण के आरोप लगाए है। जिसकी खेल मंत्रालय द्वारा जांच की जा रही है। ऐसी घटनाओं से खेलों की तो बदनामी होती ही है इसके साथ ही खिलाड़ियों का मनोबल भी कमजोर होता है। जब तक खेलो को खिलाड़ियों के लिए नहीं छोड़ा जाएगा तब तक भारत खेलों में इसी तरह पिछड़ता रहेगा। पीटी उषा के भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष बनने के बाद देश के खिलाड़ियों व लोगों में खेलो की दुनिया में अच्छे दिन आने की उम्मीद जगी है। एक महिला खिलाड़ी के अध्यक्ष बनने से आने वाले समय में विशेषकर महिला खिलाड़ियों के समक्ष आने वाली कई तरह की दिक्कतों का निवारण हो सकेगा। इस बात की सभी को आशा है। पीटी उषा जैसी अंतरराष्ट्रीय स्तर की धावक से भारत का हर नागरिक यही अपेक्षा रखता है कि वह अपने अध्यक्ष के कार्यकाल को एक मिसाल बना दे। ताकि आने वाले पीढ़ियां उनके कार्यकाल को बेहतर खेलों के लिए याद रख सके। सरकार ने इन्हे राज्य सभा सदस्य भी नामित किया है। जिसका लाभ भी खेलों व खिलाड़ियों को मिलना तय माना जा रहा है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

सीएम राइज स्कूल गुणवत्ता वाली शिक्षा का सशक्त माध्यम

(लेखक - निलय श्रीवास्तव)

मध्यप्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिये समय - समय पर अभिनव प्रयोग किये जा रहें हैं। शिक्षा संस्थानों में अनुशासन से लेकर पढ़ायी - लिखायी की उत्कृष्ट बनी रहे इसे लेकर प्रयास लगातार किये जाते हैं। वहाँ आवश्यक संसाधन जुटाने के लिए भी सरकार ने अपने खजाने खोल दिये हैं ताकि मध्यप्रदेश के छात्र - छात्रायें जो कि कल का भविष्य हैं उनका मनोबल बढ़े और वे तटस्थता के साथ अपने भविष्य को उज्जवल बना सकें। प्रसंगवश यहाँ बना दें कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान जब स्वयं स्कूलों में जाकर बच्चों को पढ़ाते हैं तो पता चलता है कि मध्यप्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार को अपनाने कला देश का पहला राज्य बनकर उभर रहा है। दरअसल यह ही शैक्षणिक क्रांति का सूचक है। मध्यप्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता को उत्कृष्टता पर पहुँचाने के लिए 9,200 सी एम राइज स्कूलों का संचालन किया जा रहा है। इन स्कूलों की प्रमुख विशेषतायें 21 वीं सदी की आवश्यकता के अनुरूप कौशल कार्यक्रम चलाकर ज्यादा से ज्यादा पालकों की सहभागिता को सुनिश्चित करना है। प्रयोगशालायों को पूर्ण रूप से समृद्ध और सुसज्जित कर वाचनालय में अधिक से अधिक पाठन सामग्री उपलब्ध कराना है। परिवहन सुविधा को बढ़ाने के अलावा स्कूलों में स्टाफ क्षमता को बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चैहान के शब्दों में ''मध्यप्रदेश में उच्च गुणवत्ता वाली परिणामोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से सी.एम. राइज स्कूलों की स्थापना की जा रही है। इन स्कूलों का लक्ष्य विश्वस्तरीय शिक्षण विधियों द्वारा बच्चों के ज्ञान और कौशलवर्धन के साथ ही भारतीय परम्परागत मूल्यों, संस्कृति एंव नवाचारों को समावेशित कर बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है।'' पिछले डेढ़ दशक के दौरान मध्यप्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में जो नवाचार हुआ है, उसने न केवल शिक्षा को विस्तार दिया है बल्कि पूरे देश के समक्ष एक आदर्श उदाहरण भी प्रस्तुत किया है। जिस मध्यप्रदेश में कमी साक्षरता का प्रतिशत बताते हुए संकोच होता था, आज उसी मध्यप्रदेश में साक्षरता का प्रतिशत गर्व करने लायक हो गया है। पुराने जमाने में एक कहावत प्रचलित थी, ''यदि आप एक वर्ष के बारे में सोच रहे हैं तो चावल उपजाएं। यदि आप आगामी पाँच सालों के बारे में योजना बना रहे हैं तो नारियल के पेड़ लगाईये, लेकिन अगर आप पूरे जीवन की चिंता कर रहे हैं तो अपने बच्चों को स्कूल भेजिए।'' शिक्षा किसी भी देश या समाज को व्यवस्थित नागरिक देने वाली पहली व्यवस्था है। जिन देशों के नागरिक अशिक्षित या अल्पशिक्षित हैं, वहाँ कितनी अराजकताएं हैं, यह समूची दुनिया देख रही है। ऐसे में अच्छी शिक्षा का प्रश्न बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। देश में मध्यप्रदेश प्रथमतः ऐसा राज्य बन गया है जिसने शिक्षा के लोकव्यापीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाएं हैं। प्रदेश के सुदूर अंचलों में बच्चों को बेहतर शिक्षा का माहौल मिला है। गांवों से स्कूल की दूरी घटाकर नये शाला भवनों की स्थापना की गई है। इससे सर्वाधिक लाभान्वित ग्रामीण अंचलों की बेटियां हो रही हैं। घर के समीप स्कूल नहीं होने के कारण प्राथमिक कक्षा तक बमुश्किल पढ़ने वाली बेटियां अब हाईस्कूल तक जाने लगी हैं। शिक्षा की अनिवार्यता सुनिश्चित करने के लिए ''स्कूल चले हम'' अभियान को गति देकर मध्यप्रदेश सरकार ने मील का पत्थर गाढ़ा है। यह अभियान शिक्षा के क्षेत्र में स्कूल से जुड़ने का एक सशक्त माध्यम बनकर सामने आया है। छात्र जो कभी बस्ते को बोझ समझकर शिक्षा हासिल करने के प्रति नकारात्मक रवैया अपनाते थे, उन्हें स्कूल का रास्ता अब आसान लगने लगा है। स्कूली बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्सुकता पैदा करने के लिए स्वयं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान आगे आये और प्रदेश के सुदूर अंचलों में पहुँचकर शिक्षा से वंचित बच्चों को स्कूल जाने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री ने शिक्षा के बेहतर स्त्रोत उपलब्ध करवाने के लिए हरसंभव प्रयास किये। वे चाहते हैं कि बच्चे खूब पढ़ें और आगे बढ़ें। उनकी इस मंशा के अनुरूप राज्य में स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में नवीन नवाचारों को अपनाया गया है।मध्यप्रदेश में प्राथमिक और प्रारम्भिक शिक्षा की स्थिति सुधार की ओर निरंतर अग्रसर है। शिवराज सिंह सरकार शिक्षा की बुनियादी व्यवस्था को मजबूत कर रही है, उसका जोर बालिका शिक्षा के प्रति ज्यादा है। एक बालिका पढ़ती है तो वह पूरे समाज को शिक्षित करती है। बालिकाओं को स्कूल भेजने में पालकों की बहुत रूचि नहीं होती थी लेकिन किताब, गणवेश और फीस न चुकाने की सहूलियत के कारण बालिकाओं की स्कूल जाने की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। गांव के समीप स्कूल और दूसरी सुविधाओं ने बालिका शिक्षा का पूरा चेहरा ही बदल दिया है। शिक्षा के क्षेत्र में विस्तार के बाद भी समाज तथा सामाजिक संगठनों की भागीदारी से इसमें संख्यात्मक के साथ साथ गुणात्मक सुधार पर चर्चा और प्रयास किया जाना जरूरी है। स्कूलों में पढ़ाई की प्रणाली ऐसी होनी चाहिए जिससे कि बच्चा खुद विचार करने की प्रवृत्ति अपनाये। शिक्षाशास्त्रियों और विद्वानों से रायशुमारी करनी चाहिए कि हम अपने बच्चों का मूल्यांकन किस प्रकार करें तथा उनकी प्रतिभा क्षमता को कैसे परखें। परीक्षा पद्धति में सुधार की बात हो या शिक्षा पद्धति में बदलाव की बात हो, यह जिम्मेदारी सिर्फ शिक्षकों या स्कूलों की नहीं होनी चाहिए, बल्कि इन दोनों के साथ समाज तथा घर परिवार की भी जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाना आवश्यक है। शिक्षाविद्ों का कहना है कि हमारी स्कूली शिक्षा के समक्ष तीन बड़ी चुनौतियां हैं- निचले तथा कमजोर तबके के बच्चों को शिक्षा के अवसर न मिलना, स्कूली शिक्षा में व्यापक असमानता तथा बेहतर स्तर की स्कूली शिक्षा सबको न मिल पाना। सरकार को इन चुनौतियों का सामना करते हुए सभी आवश्यक संसाधन जुटाने होंगे। सूचना प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रयोग द्वारा पठन पाठन की गुणवत्ता में पर्याप्त सुधार किये जा सकते हैं। शिक्षकों व विद्यार्थियों को लेपटॉप, टेबलेट देकर नये प्रयोग किये जा सकते हैं। सामूहिक नकल के अभिशाप से मुक्ति के लिए शिक्षकों की शिक्षा व प्रशिक्षण में बदलाव की जरूरत है। सरकार का दायित्व है कि वह शिक्षकों की क्षमता और संवर्धन पर जोर देने के लिये उन्हें देश के बड़े प्रशिक्षण संस्थानों में ट्रेनिंग के लिए भेजे। प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ, मसूरी और हैदराबाद में स्थित हैं। शिक्षक को अपने कर्तव्य और विद्यालयीन गतिविधियों को रोचक बनाने के लिए और अपने विद्यार्थियों के साथ तादात्मय स्थापित करने के लिए नित् नवीन पद्धतियों को अपने अध्यापन का हिस्सा बनाना पड़ेगा। इसके लिए उसे स्थानीय जरूरतों के साथ आधुनिक समय में हो रहे बदलावों पर भी अपना ध्यान केन्द्रित करना होगा ताकि शिक्षार्थी नवाचार में रूचि ले सकें और शैक्षिक गुणवत्ता हासिल की जा सके। मध्यप्रदेश में शिक्षा की जो रोशनी गांव -गांव तक पहुंची है, वह मध्यप्रदेश के विकास की पटकथा लिख रही है। बालकों के साथ-साथ बालिका शिक्षा के लिए जो प्रयास हुए हैं,वह दूसरे राज्यों के लिए नजीर बन गये हैं । देश के साथ-साथ मध्यप्रदेश बदल रहा है क्योंकि शिक्षा ही विकास की धुरी है।

विचार मंथन

निर्भीक होना स्वतंत्रता - भयभीत होना, गलामी की निशानी

(लेखक/-सनत जैन)

अंग्रेजों की गुलामी से, आजादी के लिए भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने नागरिकों की स्वतंत्रता के लिए आंदोलन चलाया था। उसमें वह सफल हुए। आजादी के आंदोलन का मूल विचार भारतीय समाज के नागरिकों की स्वतंत्रता और उनके जीवन की चुनौतियों को बिना किसी भेदभाव के, कानून का शासन हो। जो सभी को नियंत्रित करते हुए नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रख सके। हमारे संविधान निर्माताओं ने कई महीनों की चर्चा और विचार विमर्श के बाद भारत की समस्त वैचारिक,धार्मिक, आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सर्वोच्चता पर रखा। भारतीय संविधान ने विधायिका को कानून बनाने की शक्ति दी। कार्यपालिका को विधायिका द्वारा बनाए गए नियम और कानूनों के अनुसार शासन व्यवस्था संचालित करने की शक्ति दी। नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए न्यायपालिका की स्थापना की। न्यायपालिका को, विधायिका कार्यपालिका और नागरिकों के बीच लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्याय करने की शक्ति दी। भारतीय सनातन व्यवस्था में ब्रह्मा, विष्णु, महेश तीन महाशक्ति पर प्रकृति के संचालन का दायित्व हैं। न्यायपालिका को सभी पक्षों को सुनने, समझने ओर निर्णय देने का अधिकार न्यायपालिका का है। हमारे संविधान निर्माताओं ने बड़ी समझदारी के साथ विधायिका और न्यायपालिका को तो अधिकार संपन्न बनाया। लेकिन इन दोनों के ऊपर अंकुश के रूप में न्यायपालिका को महावत के रूप में रखा। जो अधिकारों से लेस इस दोनों हाथियों को नियंत्रित करते हुए, नागरिकों के मूल अधिकारों को संरक्षित रखे। विशेष रुप से नागरिकों की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी न्यायपालिका के जिम्मे है।

पिछले कुछ वर्षों में चुनाव जीतने के लिए भारतीय समाज को खंड खंड में बांटने के लिए राजनीतिक दलों और राजनेताओं द्वारा तरह-तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। किसी भी तरह से सत्ता में पहुंचने के लिए जातीय और धार्मिक उन्माद की अफीम का नशा कराकर सत्ता में काबिज होने की जो होड़ राजनीतिक दलों और राजनेताओं के बीच चल रही है। नागरिकों में उत्तेजना फैलाकर उन्हें जातीय या धर्म के आधार पर भीड़तंत्र में बदलकर वोटतंत्र तैयार कर सत्ता में काबिज होने का खेल खेला जा रहा है। उससे हमारे राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक नैतिक मूल्य खत्म हो रहे हैं। एक व्यक्ति विशेष या एक धर्म विशेष को सामने कर सत्ता हासिल करने के लिए नफरत का जो खेल, पिछले कुछ वर्षों में शुरू हुआ है। उसने आजादी के 75 साल बाद लोकतंत्र के स्थान पर भीड़तंत्र को प्रभावी बना दिया है। लोकतंत्र में नागरिक चेतनाऔर स्वतंत्रता धीरे-धीरे नदारद होती जा रही है। भीड़ तंत्र की ताकत के बल पर एक बार फिर हम आदिम युग की ओर बढ़ रहे हैं। भारत का लिखित संविधान होते हुए भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में धर्म, जाति, लिंग,स्थान और नस्ल के आधार पर भेदभाव का संविधान में कोई स्थान नहीं है।

जिस तरह से विधायिका और कार्यपालिका मनमानी कर रही है। न्यायपालिका में पिछले कुछ वर्षों में विधायिका और कार्यपालिका का दबाव स्पष्ट रूप से देखने में आ रहा है। संसद भी बहुमत के आधार पर भीड़ तंत्र में बदल गई है। यहां पर भी विचार शीलता का कोई काम नहीं है। विचार-विमर्श भी नहीं होता. विवेक शीलता, नैतिकता,नियम और कानून भीडतंत्र के हैं। किसी भी तरह चुनाव जीतकर सत्ता में काबिज होने के प्रयास ने लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं, आजादी के 75 वर्ष में पूरी तरह से चरमराने लगी हैं। नागरिकों के मौलिक अधिकार, नियम और कानूनों की आड़ में खत्म किए जा रहे हैं। नागरिकों की स्वतंत्रता के अधिकार तरह-तरह से सीमित किये जा रहे हैं। नागरिकों की निजता खत्म हो रही है। कार्यपालिका और विधायिका के ऊपर नागरिकों की निर्भरता और हस्तक्षेप बढ़ता जा रहा है। नागरिकों के स्वतंत्र अधिकार अप्रत्यक्ष रूप से खत्म हो रहे हैं। राजशाही या तानाशाही की तरह एक नई शासन व्यवस्था जन्म लेती हुई दिख रही है। जहां ना लोग अपने विचार प्रकट कर सकते हैं। नाही अल्पसंख्यक अपने धर्म का पालन कर सकते हैं। एक दूसरे को लड़ाकर अल्पसंख्यक बनाम बहुसंख्यक,गरीब बना अमीर के रूप में भारतीय नागरिकों को बांटा जा रहा है।

भारतीय संविधान और भारत की स्वतंत्रता भारतीय नागरिकों के हाथों में सुरक्षित है। नागरिकों के मौलिक अधिकार सुरक्षित रहेंगे, तो लोकतंत्र भी सुरक्षित रहेगा। भारतीय संविधान ही आजादी के आंदोलन की मूल भावना है। न्यायपालिका को संविधान को सुरक्षित रखने और नागरिकों की स्वतंत्रता के मूल अधिकार को बनाए रखना न्यायपालिका की जिम्मेदारी है। न्यायपालिका भी तब मजबूत होगी।

जब नागरिक अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग होंगे। गुलामी से बचने के लिए स्वतंत्र अभिव्यक्ति जरूरी है। निर्भीक होना स्वतंत्रता की निशानी है। भयभीत होना गुलामी की निशानी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई । (एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट अमेरिकी फेडरल रिजर्व के मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के लिए ब्याज दरों को और बढ़ाने की आशंका से घरेलू बाजार में बिकवाली हावी के कारण आई है। इसके साथ ही विदेशी कोषों की ताजा निकासी और दिग्गज कंपनी एचडीएफसी के दोनों शेयरो में बिकवाली से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सुबह अच्छी शुरुआत के बाद भी बढ़त बरकरार नहीं रख पाया और अंत में 141.87 अंक करीब 0.24 फीसदी की गिरावट के साथ ही 59,463.93 पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 45.45 अंक तकरीबन 0.26 फीसदी नीचे आकर 17,465.80 पर बंद हुआ। सेंसक्स के शेयरों में महिंद्रा और महिंद्रा, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, मारुति, एलएंडटी, एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और भारती एयरटेल के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। वहीं दूसरी ओर एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट में हल्की बढ़त रही। दुनिय भर के बाजारों में उछाल के बाद भी घरेलू बाजार में गिरावट हावी रही। एफआईआई के शेयरों में भी घरेलू बाजार में बिकवाली रही। इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ ही नीचे आया है जबकि जापान के निक्की में बढ़त का माहौल है। दूसरी ओर यूरोपीय बाजार दोपहर के सत्र में बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार गत दिवस ऊपर आकर बंद हुए। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.92 फीसदी उछाल के साथ ही 82.97 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर पहुंच गया।

ब्रिटेन में सब्जियों, फलों का अभाव

लंदन । ब्रिटेन में खराब मौसम और यूक्रेन-रूस युद्ध के कारण सब्जियों और फलों की आपूर्ति प्रभावित होने से कुछ प्रमुख सुपरमर्केट ने इनकी खरीद की सीमा तय कर दी है। ब्रिटिश सरकार ने आगाह किया कि यह स्थिति महीने भर भी चल सकती है। टमाटर, मिर्च या शिमला मिर्च, खीरा, ब्रोकली, फूलगोभी और रसभरी का उत्पादन सीमित रह गया है। इससे एक ग्राहक के लिए खरीद सीमा तय की गई है। इस कमी का कारण दक्षिणी यूरोप और अफ्रीका में खराब मौसम के साथ-साथ ब्रिटेन और नीदरलैंड में महंगी बिजली के कारण प्रतिबंधित हुई ग्रीनहाउस खेती को माना गया है। संसद में एक सवाल के जवाब में पर्यावरण मंत्री थेरेसे कॉफी ने बताया कि हमारा अनुमान है कि यह स्थिति अगले दो से चार सप्ताह तक जारी रह सकती है। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि हम कोशिश करें और सुनिश्चित करें कि हमें कोई वैकल्पिक स्रोत मिल जाए। मंत्री ने कहा कि इस संकट से उबरने और भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए उनका विभाग खुदरा वितरकों से बातचीत कर रहा है। विपक्षी लेबर पार्टी ने जनता की थाली से मूलभूत खाद्य वस्तुओं की कमी के मुद्दे को उठाया।

भारत में अच्छी बाजार शोध कंपनियों की कमी: मूर्ति

पुणे । इन्फोसिस के सह-संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति ने कहा कि भारत में अच्छी बाजार शोध कंपनियों की कमी है, जिससे यूनीकॉर्न्स अवसरों का जरूरत से ज्यादा अनुमान लगा लेते हैं और उससे बड़ा नुकसान होता है। मूर्ति ने कहा कि भारत में इस स्तर पर इस समय एक कमी यह भी है कि हमारे पास ऐसी कोई कंपनी नहीं है जो गुणवत्तापूर्ण बाजार शोध में विशेषज्ञ हो। उन्होंने कहा कि इससे उद्यमी बाजार अवसरों और निवेश का जरूरत से ज्यादा अनुमान लगाकर यूनीकॉर्न तैयार कर देते हैं। यहां सिम्बायोसिस इंटरनेशनल द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में संबोधित करते हुए मूर्ति ने कहा कि कंपनियां जरूरत से ज्यादा खर्च कर देती हैं फिर उन्हें नुकसान होता है। वास्तविकता साल के अंत तक सामने आ जाती है। आपका राजस्व नहीं बढ़ता है लेकिन खर्चे बढ़ जाते हैं, जिससे भारी नुकसान होता है। विद्यार्थियों से बाजार शोध की जरूरत पर जोर देते हुए यह तथ्य रखा और कहा कि बाजार शोध के अभाव में उन्हें खुद 1970 के दशक में पुणे में ही स्थापित अपनी पहली कंपनी सॉफ्ट्रॉनिक्स को बंद करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि कंपनियों के लिए सभी से सम्मान अर्जित करना बहुत जरूरी है। अगर वह इसमें सफल होती है तो उसे सभी भागीदारों से सहयोग मिलेगा।

आईआईटी मद्रास में बने हीरे के लिए केंद्र बनाने की योजना

नई दिल्ली। आईआईटी मद्रास में प्रयोगशाला में बने हीरे के लिए एक भारत केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है। सरकार ने कहा कि केंद्र की कुल लागत 242.96 करोड़ रुपए होगी। इस केंद्र को अगले पांच वर्षों तक बजटीय सहायता दी जाएगी। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि इस परियोजना का मकसद इस क्षेत्र के उद्योगों को तकनीकी मदद देना है। आम बजट 2023-24 में प्रयोगशाला में बने हीरों (एलजीडी) के लिए स्थानीय स्तर पर मशीनरी, बीजों तथा उत्पादन विधि को प्रोत्साहित करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में किसी एक को पांच साल का शोध अनुदान देने की घोषणा की गई थी। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक भारत सरकार, निर्यात संवर्धन परिषद तथा उद्योग के प्रतिनिधियों की एक संयुक्त समिति ने इसके लिए आईआईटी-मद्रास को चुना। बयान में कहा गया है कि वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल की अध्यक्षता में परियोजना मूल्यांकन समिति ने प्रस्ताव की सिफारिश की है और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इसे मंजूरी दी है।

सेबी ने कैपिटल वर्थ, उसके भागीदारों को तीन साल के लिए किया प्रतिबंधित

नई दिल्ली । सेबी ने बिना मंजूरी के निवेश सलाहकार सेवाएं देने को लेकर कैपिटल वर्थ रिसर्च हाउस और उसके भागीदारों को तीन साल की अवधि के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। इसके अलावा उन्हें तीन महीने के भीतर ग्राहकों को 1.54 करोड़ रुपए से अधिक की राशि वापस करने का निर्देश दिया गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनमय बोर्ड ने हाल ही में पारित एक आदेश में कहा कि निवेशकों को रिफंड पूरा होने की तारीख से तीन साल की समाप्ति तक कैपिटल वर्थ और उसके साझेदारों पर प्रतिबंध जारी रहेगा। कैपिटल वर्थ एक साझेदार फर्म है और इसके साझेदार अंकित श्रीवास्तव, मोहम्मद आमिर शेख, शाहिद रंगरेज और समीर मेमन हैं। सेबी ने पाया कि कैपिटल वर्थ पंजीकरण के वैध प्रमाण पत्र के बिना गतिविधियों में शामिल होकर तथा खुद को एक निवेश सलाहकार के रूप में काम किया और निवेश सलाहकार (आईए) के नियमों का उल्लंघन किया। आदेश के अनुसार 2018 में मार्च-दिसंबर के दौरान कैपिटल वर्थ के खाते में 1.54 करोड़ रुपए से अधिक जमा किए गए।

विप्रो के खिलाफ कार्रवाई की मांग

- वेतन प्रस्ताव में कटौती का विप्रो ने लिया फैसला

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र (आईटी) क्षेत्र के कर्मचारी संघ नाइट्स ने नियुक्ति का इंतजार कर रहे स्नातकों के वेतन प्रस्ताव में कटौती के विप्रो के फैसले के खिलाफ केंद्रीय श्रम मंत्री को पत्र लिखा है। संघ ने इसे प्रस्ताव पत्र के नियमों का उल्लंघन करने और अनुबंध तोड़ना बताते हुए कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रभावित कर्मियों की चिंता उठाते हुए नाइट्स ने चिंता जताई कि विप्रो का कदम अन्य कंपनियों के लिए खतरनाक उदाहरण पेश कर सकता है, जिससे कर्मियों का शोषण बढ़ने और रोजगार असुरक्षा का संकट बढ़ सकता है। नवजात सूचना प्रौद्योगिकी कर्मचारी सीनेट (नाइट्स) का श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव को लिखा पत्र विप्रो से संबंधित एक मामले में आया है। संघ ने हाल ही में विप्रो के ऐसे कुछ कर्मियों से संपर्क किया, जिनके साथ विप्रो ने 6.5 लाख प्रति वर्ष के वेतनमान का करार किया था, लेकिन बाद में उनसे कहा कि क्या वे 3.5 लाख रुपये प्रतिवर्ष के वेतनमान पर काम करने के लिए तैयार हैं। ये उम्मीदवार अभी नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं। पत्र के अनुसार, कंपनी अब अनैतिक रूप से वेतन घटा रही है, जो प्रस्ताव पत्र की शर्तों और अनुबंध का स्पष्ट उल्लंघन है। कर्मचारी संघ ने विप्रो द्वारा 4,000 से अधिक कर्मचारियों के वेतन प्रस्ताव में अनैतिक कटौती के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

अडानी समूह में किया गया एलआईसी का निवेश घाटे में

निवेश की वैल्यू घटकर 27,000 करोड़ रुपये रह गई

मुंबई। (एजेंसी)

अडानी ग्रुप के शेयरों में इस तरह बिकवाली हो रही है, जैसे जंगल में आग लगने पर जानवर भागते हैं। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन भी अडानी के अधिकतर शेयरों में भारी बिकवाली दिख रही है। इससे देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी (एलआईसी) को भारी नुकसान हो रहा है। एलआईसी ने अडानी ग्रुप के शेयरों में काफी पैसा लगाया हुआ है। हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद से अडानी के शेयर औंधे मुह गिर रहे हैं। इसके बाद अडानी में एलआईसी के निवेश का मुनाफा धीरे-धीरे उड़ता रहा और अब यह निवेश नकारात्मक हो गया है। यानी अब अडानी के शेयरों में एलआईसी घाटे में हैं। गुरुवार को बाजार बंद होने के बाद अडानी के शेयरों में एलआईसी इन्वेस्टमेंट वैल्यू घटकर 27,000 करोड़ रुपये रह गई। एक्सचेंजों पर उपलब्ध एलआईसी के दिसंबर शेयरहोल्डिंग पैटर्न से डेटा विश्लेषण पर यह आंकडा निकला है। 30 जनवरी को एलआईसी ने बताया था कि अडानी ग्रुप के शेयरों में इक्विटी और डेट के तहत दिसंबर के आखिर तक निवेश वैल्यू 35,917 करोड़ रुपये थी। उसने कहा था कि अडानी ग्रुप कंपनियों में शेयरों की कुल खरीद वैल्यू 30,127 करोड़ रुपये थी। वहीं, इस निवेश की 27 जनवरी को मार्केट वैल्यू 56,142 करोड़ रुपये थी। अडानी के शेयरों में गुरुवार की गिरावट के बाद से ग्रुप में एलआईसी का निवेश निगेटिव हो गया है। यानी अब एलआईसी को अडानी के शेयरों में घाटा है। यह आंकलन यह मानकर किया गया है कि 30 जनवरी के बाद से एलआईसी ने अडानी के शेयर खरीदे और बेचे नहीं हैं। एलआईसी के पास अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के 4,81,74,654 शेयर हैं। यह दिसंबर 2022 को कंपनी की कुल पेड अप कैपिटल का 4.23 फीसदी है।

एलआईसी के पास दिसंबर तक अडानी पोर्ट्स में 9.14 फीसदी, अडानी ट्रांसमिशन में 3.65 फीसदी, अडानी ग्रीन में 1.28 फीसदी और अडानी टोटल गैस में 5.96 फीसदी हिस्सेदारी थी। 30 सितंबर 2022 तक एलआईसी का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 41.66 लाख करोड़ रुपये थे।

अडानी समूह के शेयरों की कीमत आज वहीं, हिंडनबर्ग ने जैसा दावा किया

मुंबई । (एजेंसी)

गौतम अडानी के सम्राज्य में लगे हिंडनबर्ग के ग्रहण को एक महीना हो गया है। इस एक माह में अडानी ग्रुप अपने सबसे बुरे दौर से गुजरा और अभी भी सिलसिला जारी है। महीनेभर में अडानी समूह में जो सुनामी आई है, उससे शेयरों की कीमत अब उतनी ही रह गई है,जितना रिपोर्ट में इस ओवरवैल्यूड बताया गया था। बता दें हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया था कि शेयर बाजार में लिस्टेड अडानी समूह की सात कंपनियों के शेयर 85 फीसदी तक ओवरवैल्यूड हैं। हिंडनबर्ग ने अडानी ग्रुप को लेकर दावा किया था कि इसकी शेयर बाजार में लिस्टेड 7 प्रमुख कंपनियां 85 फीसदी से अधिक ओवरवैल्यूज हैं। यानी जिस शेयर की कीमत 100 रुपये है, दरअसल उसका असली भाव महज 15 रुपये है। अब रिपोर्ट के प्रकाशित हुए एक महीना हो गया है और अडानी के शेयर भी इस दौरान गिरते-गिरते उसी लेवल पर आ गए है, जैसा कि रिपोर्ट में दावा किया गया था। बुरे दौर में अडानी ग्रुप के तीन शेयरों ने सबसे ज्यादा गिरने का रिकॉर्ड बना दिया। इसमें अडानी टोटल गैस, अडानी ग्रीन एनर्जी और अडानी ट्रांसमिशन के स्टॉक शामिल हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के आंकड़ों पर गौर करे तब सबसे बुरी हालात अडानी ग्रीन के शेयर की है। ये स्टॉक अपने 52 हफ्ते के हाई 3048 रुपये के स्तर से अब करीब 85 फीसदी नीचे आ चुका है। इसमें लगातार लोअर सर्किट लग रहा है। शुक्रवार को भी शेयर बाजार की शुरुआत के साथ ही इसमें फिर से लोअर सर्किट लग गया और इसका भाव गिरकर 486.50 रुपये पर पहुंच गया। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट प्रकाशित होने से पहले इसका भाव 1916.80 रुपये था। कंपनी के शेयर में आई गिरावट के चलते कंपनी का मार्केट कैप भी एक लाख करोड़ के नीचे आ गया है। अडानी ग्रुप के अन्य शेयरों की बात करें, तब अडानी ट्रांसमिशन का शेयर बीते 24 जनवरी को 2762.15 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। फिर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई और 25 जनवरी 2023 से इसमें जो गिरावट शुरू हुई, वहां अभी भी उसी रफ्तार से देखने को मिल रही है। शुक्रवार 24 फरवरी को शेयर बाजार खुलने के साथ ही इसमें लोअर सर्किट लगा और इसकी कीमत 5 फीसदी कम होकर 712.30 रुपये रह गई।

ओलेक्ट्रा ने रिलायंस के साथ हाइड्रोजन बस पेश की

मुंबई । प्राकृतिक संसाधनों की कमी और वायु प्रदूषण व कार्बन उत्सर्जन के नकारात्मक प्रभावों को देखते हुए ओलेक्ट्रा ने हाइड्रोजन से चलने वाली बसों को विकसित करने की प्रक्रिया को गति देने का अभियान चलाया है। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक ने रिलायंस के साथ मिलकर हाइड्रोजन बस पेश की। पारंपरिक सार्वजनिक परिवहन के विकल्प के रूप में पेश यह बस कार्बन उत्सर्जन मुक्त है। मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड की अनुषंगी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड (ओजीएल) ने कहा कि कंपनी भारतीय बाजार में अगली पीढ़ी की परिवहन व्यवस्था पेश करने की तैयारी में है। प्राकृतिक संसाधनों की कमी और वायु प्रदूषण व कार्बन उत्सर्जन के नकारात्मक प्रभावों को देखते हुए, ओलेक्ट्रा ने हाइड्रोजन से चलने वाली बसों को विकसित करने की प्रक्रिया को गति देने का अभियान चलाया है।इस अभियान से भारत सरकार को कार्बन-मुक्त हाइड्रोजन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। बयान के अनुसार, ओलेक्ट्रा का लक्ष्य अपनी हाइड्रोजन बसों के माध्यम से देश की पर्यावरण रूप से स्थायी ऊर्जा सुरक्षा में योगदान देना है। कंपनी के बयान के अनुसार 12 मीटर लंबी निचले तल की बस में 32 से 49 यात्रियों के बैठने की जगह है। बस में एक बार में हाइड्रोजन भरवाने के बाद इसे 400 किलोमीटर तक चलाया जा सकेगा। इतनी हाइड्रोजन भरने में सिर्फ 15 मिनट लगेंगे। बयान के अनुसार, ओलेक्ट्रा इन बसों को एक वर्ष के अंदर पेश करने की योजना बना रही है।

विश्व बैंक प्रमुख के तौर पर बाइडेन ने भारतीय अमेरिकी बंगा को किया नॉमिनेट

बंगा डेविड मालपास का स्थान लेंगे, जिन्हें तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नियुक्त किया था

वाशिंगटन । (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने मास्टरकार्ड के पूर्व भारतीय अमेरिकी प्रमुख अजय बंगा को विश्व बैंक का प्रमुख के तौर पर नॉमिनेट किया है, व्हाइट हाउस ने इसकी घोषणा की। यदि अमेरिकी सीनेट द्वारा पुष्टि की जाती है, तो बंगा विश्व बैंक का प्रमुख बनने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति होंगे। वह डेविड मालपास का स्थान लेंगे, जिन्हें तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा नियुक्त किया गया था। बंगा उस स्थिति में एशियाई-अमेरिकी मूल के दूसरे व्यक्ति होंगे, पहले डॉ. जिम योंग किम थे। ऐतिहासिक रूप से अमेरिका का विश्व बैंक की अध्यक्षता और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) पर यूरोपीय लोगों का अधिकार रहा है। बाइडेन ने कहा कि अजय इतिहास के इस महत्वपूर्ण क्षण में विश्व बैंक का नेतृत्व करने के लिए विशिष्ट रूप से सुसज्जित हैं। उन्होंने सफल वैश्विक कंपनियों के निर्माण और प्रबंधन में तीन दशक से अधिक का समय बिताया है, जो विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में रोजगार सृजित करती हैं और निवेश लाती हैं, और मौलिक परिवर्तन की अवधि के दौरान संगठनों का मार्गदर्शन करती हैं। उनके पास लोगों और प्रणालियों को प्रबंधित करने और परिणाम देने के लिए दुनिया भर के वैश्विक नेताओं के साथ साझेदारी करने का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है।

बंगा का जन्म भारत में हुआ था और दिल्ली के सेंट स्टीफेंस कॉलेज में पढ़े थे, वर्तमान में जनरल अटलांटिक में वाइस चेयरमैन के रूप में कार्यरत हैं। पहले वह मास्टरकार्ड के अध्यक्ष और सीईओ थे। व्हाइट हाउस ने कहा कि अपने करियर के दौरान, बंगा प्रौद्योगिकी, डेटा, वित्तीय सेवाओं और समावेशन के लिए नवाचार में एक वैश्विक नेता बन गए हैं। उन्होंने पहले अमेरिकन रेड क्रॉस, क्राफ्ट फूड्स और डॉव इंक के बोर्डों में सेवा की थी। उन्होंने मध्य अमेरिका के लिए साझेदारी के सह-अध्यक्ष के रूप में उपराष्ट्रपति हैरिस के साथ मिलकर काम किया है। वह त्रिपक्षीय आयोग के सदस्य, यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम के संस्थापक ट्रस्टी, संयुक्त राज्य-चीन संबंधों पर राष्ट्रीय समिति के पूर्व सदस्य और अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष एमेरिटस हैं। बंगा को 2012 में फॉरेन पॉलिसी एसोसिएशन मेडल, 2016 में भारत द्वारा पद्म श्री अवार्ड, 2019 में एलिस आइलैंड मेडल ऑफ ऑनर और बिजनेस कार्डसिल फॉर इंटरनेशनल अंडरस्टैंडिंग ग्लोबल लीडरशिप अवार्ड और 2021 में डिस्टिंग्विश्ड फ्रेंड्स ऑफ सिंगापुर पब्लिक सर्विस स्टार से सम्मानित किया गया था।

अमेरिका के एनरान स्कैंडल से की जा रही अडाणी संकट की तुलना?

एनरॉन का गठन 1985 में ह्यूस्टन नेचुरल गैस और इंटरनॉर्थ के विलय के बाद केनेथ ले ने किया था

नई दिल्ली । (एजेंसी)

अमेरिका के पूर्व ट्रेजरी सचिव और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के पूर्व अध्यक्ष लैरी समर्स ने अडानी समूह पर हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट में हाल के आरोपों की तुलना अमेरिका में एनरॉन घोटाले से की है। अर्थशास्त्री ने दावा किया कि यह भारत का संभावित एनरॉन क्षण हो सकता है। पिछले शुक्रवार को ब्लूमबर्ग के वॉल स्ट्रीट वीक के दौरान समर्स से पूछा गया कि वह जी20 बैठकों से क्या खोज रहे हैं। उन्होंने अडानी का नाम नहीं लिया, लेकिन कहा कि हमने शो में इसके बारे में बात नहीं की है, लेकिन भारत में एक तरह का संभावित एनरॉन क्षण है। अमेरिका के पूर्व वित्त मंत्री और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष लैरी समर्स ने अडाणी समूह के संकट की तुलना एनरॉन संकट से की है। उन्होंने कहा कि भारत संभवत- एनरॉन जैसे क्षण का सामना कर रहा है, जब 2001 में इस अमेरिकी ऊर्जा कंपनी में लेखा घोटाला उजागर हुआ था। समर्स ने पिछले हफ्ते ब्लूमबर्ग के वॉल स्ट्रीट सप्ताह में कहा कि हमने शो में इस बारे में बात नहीं की है, लेकिन भारत में एक तरह का संभावित एनरॉन क्षण आया है। समर्स ने हालांकि अडाणी समूह का नाम नहीं लिया, लेकिन वह उस संकट का जिक्र कर रहे थे, जिसका सामना समूह अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी और शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की एक विस्फोटक रिपोर्ट आने के बाद से कर रहा है।

अडाणी ने सभी आरोपों का खंडन करते हुए कहा, मैं कल्पना करता हूं कि भारत दुनिया के सबसे बड़े देश के रूप में उभर रहा है और (जी20 की) बैठक भारत में हो रही है, वहां उपस्थित सभी लोगों में यह जिज्ञासा होगा कि अब आगे क्या होगा और क्या इसका भारत के लिए कोई बड़ा प्रणालीगत प्रभाव होने वाला है। समर्स ने जी20 की बैठकों का जिक्र करते हुए यह टिप्पणी की, जिसकी मेजबानी इस साल भारत कर रहा हालों कि एनरॉन घोटाला ह्यूस्टन, टेक्सास में स्थित एक अमेरिकी ऊर्जा कंपनी एनरॉन कॉर्पोरेशन से जुड़ा एक लेखा घोटाला था। अक्टूबर 2001 में प्रचारित होने पर, कंपनी ने दिवालिएपन की घोषणा की और इसकी लेखा फर्म, आर्थर एंडर्सन उस समय दुनिया की पांच सबसे बड़ी ऑडिट और एकाउंटेंसी साझेदारी में से एक को प्रभावी रूप से भंग कर दिया गया था।

टाटा 25 हजार इलेक्ट्रिक कारों की सप्लाई करेगी उबर को

-प्रीमियम टैक्सी बुक करने पर आएगी ई-कार

नई दिल्ली । (एजेंसी)

स्वदेशी कंपनी टाटा अब उबर को 25 हजार इलेक्ट्रिक कारों की सप्लाई करेगी। ये सेडान मॉडल होगा, जिसका नाम एक्सप्रेस टी रखा गया है। टाटा मोटर्स और टैक्सी सर्विस प्रोवाइडर उबर के बीच इलेक्ट्रिक कारों को लेकर एक बड़ी डील हुई है। दावा किया जा रहा है कि इलेक्ट्रिक कारों को लेकर देश में ये अब तक का सबसे बड़ा सौदा है।

टाटा की तरफ से जारी स्टेटमेंट के अनुसार उबर अब अपनी प्रीमियम कैटेगरी सर्विस में इस इलेक्ट्रिक सेडान को अपॉइंट करेगी। बताया जा रहा है कि इन इलेक्ट्रिक कारों को उबर दिल्ली-एनसीआर, कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरू में चलाएगी। कार की कीमत की बात की जाए तो ये 13.04 लाख रुपये एक्स शोरूम से शुरू होती है और 14.98 लाख रुपये तक जाती है। इस कार को दो बैटरी पैक के साथ अवेलेबल करवाया जाता है। टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के एमडी शैलेश चंदा ने कहा कि उबर के साथ इस एमओयू को साइन कर हम खुश हैं, इससे टिकाऊ मोबिलिटी को बढ़ाने के हमारे प्रयास को सहायता मिलेगी। इसके साथ ही लोगों को ईवी राइड का एक बेहतर और प्रीमियम एक्सपीरियंस भी मिलेगा।

वहीं उबर के प्रेसिडेंट प्रभजीत सिंह ने कहा कि देश में एक स्टेबल और बेहतर एक्सपीरियंस की राइड देने के हमारे प्रयासों को टाटा के साथ हुई साझेदारी के बाद काफी मदद मिलेगी।सिंह ने कहा कि ये किसी ऑटो मैन्युफैक्चरर और राइड शेयरिंग प्लेटफॉर्म के बीच इलेक्ट्रिक व्हीकल को लेकर हुई सबसे बड़ी डील है। उन्होंने कहा कि हम जीरो एर्मोशन को लकर प्रतिबद्ध हैं और ये डील इस बदलाव को सुपरचार्ज करेगा। सिंह ने कहा कि हम एक बेहतर और प्रदूषण रहित भविष्य बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

तेल और गैस उत्पादन के लिए दो अरब डॉलर का निवेश करेगी ओएनजीसी

मुंबई । (एजेंसी)

देश की प्रमुख तेल और गैस उत्पादक कंपनी ओएनजीसी अरब सागर में अपने मुख्य गैस क्षेत्र में 103 कुओं की खुदाई के लिए दो अरब डॉलर का निवेश करेगी। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि इससे कुल उत्पादन में लगभग 10 करोड़ टन का इजाफा होने की उम्मीद है। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) के पश्चिमी तट पर तीन मुख्य संपत्तियां हैं, जिनमें मुंबई हाई, हीरा और नीलम तथा वसई और सुदूर तेल एवं गैस क्षेत्र हैं। कंपनी ने इनसे 2021-22 में 2.17 करोड़ टन तेल और 21.68 अरब घनमीटर गैस का उत्पादन किया था। ओएनजीसी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि हमने अगले दो-तीन साल में वसई और सुदुर (बीएंडएस) तेल एवं गैस क्षेत्रों में 103 कुओं को खोदने का लक्ष्य तय किया है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि इससे 10 करोड़ से ज्यादा तेल और तेल समतुल्य गैस का उत्पादन बढ़ जाएगा। इस प्रक्रिया में दो अरब डॉलर से अधिक का निवेश होगा। ओएनजीसी देश में उत्पादित कुल तेल और गैस के दो-तिहाई का उत्पादन करता है। बढ़ा हुआ उत्पादन ऊर्जा जरूरतों के लिए देश की आयात पर निर्भरता कम कर देगा। भारत लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। इसे रिफाइनरियों में पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों में बदला जाता है। इसके अलावा लगभग प्राकृतिक गैस के लगभग आधे का उत्पादन करता है, जिसका उपयोग बिजली, उर्वरक बनाने, सीएनजी में बदलने और पाइप के जरिये घरों में पहुंचने वाली रसोई गैस में बदलने में किया जाता है।

शीर्ष पहलवानों के अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं नहीं खेलने से खेल मंत्रालय नाराज

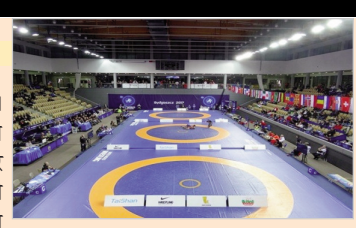

नई दिल्ली खेल मंत्रालय ने देश के शीर्ष पहलवानों के लगातार दूसरी बार अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने पर नाराजगी व्यक्त की है। इससे पहले पहलवानों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) और इसके अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के साथ चल रहे मामले को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से नाम वापस ले लिए थे। विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया, रवि दहिया, दीपक पूनिया, अंशु मलिक और संगिता मोर सहित शीर्ष पहलवानों ने जगरेब और अलेक्सजांद्रिया में यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया क्योंकि एक जांच पैनल अभी यौन उत्पीड़न के मामले में बृज भूषण की जांच कर रहा है। पहलवानों के इस कदम से खेल मंत्रालय सहमत नहीं है क्योंकि पहलवानों को तैयारियों और ट्रेनिंग के लिए भारी आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी जा रही है। वहीं मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि जब खिलाड़ियों की मांगें मान ली गई हैं तो वे टूर्नामेंट में भाग क्यों नहीं ले रहे हैं। हमें जांच समिति को समय देना होगा हालांकि यह पहलवानों का फैसला है और हम किसी को भी बाध्य नहीं कर सकते पर हमारा मानना है कि उन्हें खेलना चाहिये था।

सिंधू ने कोच पार्क ताए सांग से नाता तोड़ा

नयी दिल्ली, (एजेंसी)।

ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू अपने कोच पार्क ताए सांग से अलग हो गई है। दक्षिण कोरिया के कोच ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि करते हुए भारतीय खिलाड़ी के हाल के निराशाजनक प्रदर्शन की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा कि यह भारतीय खिलाड़ी बदलाव चाहती थी। पार्क ताए सांग के रहते हुए सिंधू ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक और पिछले साल राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। चोट के कारण पांच महीने तक बाहर रहने के बाद सिंधू जब कोर्ट पर लौटी तो उन्हें अपनी फॉर्म हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। वह मलेशिया ओपन और इंडिया ओपन में पहले दौर में बाहर हो गई थी। दुबई में एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तथा अपने से कम रैंकिंग वाली गाओ फांग जी और मलेशिया के वोंग लिंग चिंग से हार गई थी।विदेशी कोच ने कहा कि वह सिंधू के सत्र की निराशाजनक शुरुआत के लिए खुद को जिम्मेदार मानते हैं। पार्क ताए सांग ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा,'' मैं पीवी सिंधू के साथ अपने संबंधों के बारे में बात करना चाहता हूं जिसके बारे में कई लोगों ने पूछा है। हाल के मैचों में उसने कुछ निराशाजनक कदम उठाए और कोच के रूप में मुझे लगता है कि यह मेरी जिम्मेदारी है।'' उन्होंने कहा,''इसलिए वह (सिंधू) बदलाव चाहती है और उसने कहा कि वह नए कोच की तलाश करेगी। मैंने उसके फैसले का सम्मान करने और उसका पालन करने का फैसला किया है। मुझे खेद है कि मैं अगले ओलंपिक तक उसके साथ नहीं रह सकता लेकिन इसके बावजूद मेरा समर्थन उसके साथ रहेगा।'' पार्क को इससे पहले भारतीय बैडमिंटन संघ ने पुरुष एकल खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के लिए नियुक्त किया था लेकिन वह 2019 के अंत से सिंधू के कोच के रूप में काम करने लग गए थे। पार्क के कोच रहते हुए सिंधू ने ओलंपिक कांस्य पदक और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक के अलावा 2022 में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर के तीन खिताब- सैयद मोदी इंटरनेशनल, स्विस ओपन और सिंगापुर ओपन जीते।पार्क का अनुबंध 2024 में होने वाले पेरिस ओलंपिक तक था। उन्होंने कहा,'' मैं उसके साथ

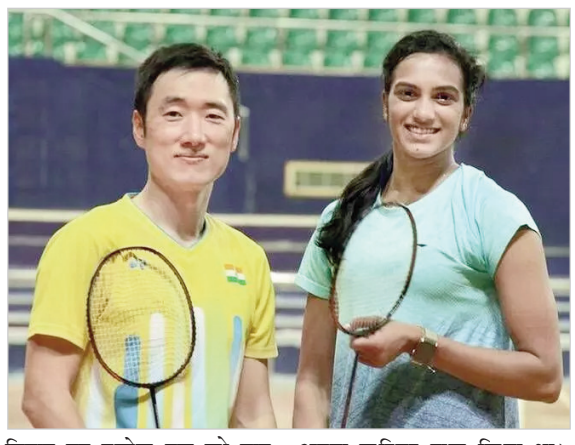

बिताए गए प्रत्येक पल को याद करूंगा। मैं उन सभी का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मेरा समर्थन किया और मेरा उत्साह बढ़ाया।'' यह कोरियाई सिंधू का तीसरा कोच था। उन्होंने भारत के मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद की देखरेख में अपना करियर शुरू किया था। इसके बाद एक अन्य कोरियाई कोरियाई किम जी ह्यून के कोच रहते हुए उन्होंने 2019 में विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीता था। उनमें हालांकि बाद में मतभेद पैदा हो गए थे।

तीसरे टेस्ट से बाहर हुए कमिंस, स्मिथ करेंगे कप्तानी

सिडनी । (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस पारिवारिक कारणों से भारत के खिलाफ होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हो गये हैं। ऐसे में उपकप्तान स्टीव स्मिथ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की कप्तानी करेंगे। तीसरा क्रिकेट टेस्ट मैच एक मार्च से इंदौर में शुरू होगा। इस सीरीज में आस्ट्रेलियाई टीम पहले दो टेस्ट मैचों में मिली हार के कारण 2-0 से पीछे चल रही है। कमिंस निजी पारिवारिक कारणों से दूसरे टेस्ट के बाद ही स्वदेश लौट गये थे। अब वह अगले कुछ दिनों तक घर पर ही रहेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार उनकी मां की तबियत ठीक नहीं है। पहले कहा जा रहा था कि वह तीसरे टेस्ट के लिए टीम से जुड़ जाएंगे पर अब यह संभव नजर नहीं आ रहा है। संभावना है कि वह अंतिम टेस्ट के लिए टीम से जुड़ जायेंगे। कमिंस को कप्तान बनाने के बाद साल 2021 में स्मिथ को उप कप्तान की जिम्मेदारी दी गयी थी। तब से वह टेस्ट में तीसरी बार टीम की कमान संभालेंगे। दूसरे टेस्ट के बाद स्मिथ अपनी पत्नी के साथ दुबई गये थे और गुरूवार की शाम दिल्ली में ऑस्ट्रेलियाई टीम से जुड़े थे।

वहीं ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन तीसरा टेस्ट खेलने के लिए फिट हो गये हैं। ग्रीन की ऊंगली में फ्रेक्चर था जिसके कारण वह पहले दो टेस्ट से बाहर थे। ग्रीन की वापसी से ऑस्ट्रेलियाई टीम को दूसरा तेज गेंदबाजी विकल्प मिल जायेगा। कमिंस दिल्ली में एकमात्र तेज गेंदबाज थे। ग्रीन ने कहा, ''जब आप एक ऑलराउंडर के तौर पर टीम में शामिल होगे तो इससे आप शायद टीम संतुलन ठीक कर सकते हैं। यह देखना अहम होगा कि इस मैच में चयनकर्ता किस प्रकार से टीम का चयन करते हैं। इस मैच में अनुभवी तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को कमिंस की जगह पर शामिल जा सकता है।

सिरीकिट कप : अवनी ने खिताब जीता, भारत सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर रहा

मनीला। अवनी प्रशांत शुक्रवार को क्वीन सिरीकिट कप में जीत हासिल करने वाली पहली भारतीय गोल्फर बनीं जिससे उन्होंने भारतीय टीम को भी टूर्नामेंट के 43 साल के इतिहास में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद की। पहले तीन दिन 68, 66 और 70 के कार्ड खेलने वाली अवनी का कुल स्कोर 16 अंडर का रहा जिससे वह न्यूजीलैंड की फियोना जु से 10 स्ट्रोक्स आगे रही जिन्होंने छह अंडर का कुल स्कोर बनाया। बेंगलुरू की 16 साल की अवनी हाल में शीर्ष 100 में पहुंची। विश्व एमेच्योर गोल्फ रैंकिंग में 93वें स्थान पर चल रही अवनी की बदौलत भारत ने कोरियाई टीम को कड़ी चुनौती दी और फिर दूसरे स्थान पर संतोष किया। अवनी ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, उनकी साथी विधात्री उर्स (74-77-72-74) संयुक्त 19वें और निशा पटेल (80-78-74-75) संयुक्त 30वें स्थान पर रहीं। टीम स्पर्धा में कोरिया ने 12 अंडर 564 के कुल स्कोर से पहला स्थान हासिल किया। अवनी ने कहा, ''इस जीत का लंबे समय से इंतजार था और मैं इस पूरे साल में आगामी नतीजों को लेकर उत्साहित हूं। यह थोड़ा निराशाजनक है कि मैं इस साल ऑगस्टा नहीं जा रही हूं लेकिन उम्मीद है कि 2024 में मैं वहां खेल पाऊंगी। मैं इस जीत से काफी खुश हूं और उम्मीद करती हूं कि इसी लय को आगे भी जारी रखूं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से पहले एनसीए में अभ्यास करेगी भारतीय टीम

मुम्बई ।(एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले माह शुरु होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम राष्ट्रीया क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अभ्यास करेगी। इस दौरान उपकप्तान हार्दिक पांड्या सहित सीमित ओवरों के कुछ खिलाड़ी एनसीए में फिटनेस और कौशल शिविर के लिए पहुंचेंगे। इस सीरीज के लिए शामिल टेस्ट टीम के सदस्यों को पहले ही आराम दे दिया गया था और अब वे भी बेंगलुरु में प्रशिक्षण लेंगे और नियमित फिटनेस की प्रक्रिया से गुजरेंगे। दूसरी ओर तेज गेंदबाज उमरान मलिक और लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल 17 मार्च से मुंबई में शुरू होने वाले एकदिवसीय को देखते हुए अभी बेंगलुरू में नेट अभ्यास कर रहे हैं। वहीं बीसीसीआई के अनुसार पहले एकदिवसीय में कप्तानी करने वाले हार्दिक पांड्या, वाशिंगटन सुंदर और शार्दुल ठाकुर भी इस शिविर में शामिल होंगे।

इस दौरान होने वाले ईरानी कप में मयंक अग्रवाल और अभिमन्यु ईश्वरन के अलावा प्रियांक पंचाल भी खेलेंगे। इसमें लोकेश राहुल के प्रदर्शन पर भी लोगों की नजरें रहेंगी। भारतीय टीम के चयनकर्ता फॉर्म हासिल करने के लिए राहुल को ईरानी कप में भेज सकते हैं। राहुल टेस्ट प्रारुप में पहले ही टीम इंडिया की उपकप्तानी से बाहर हो गये हैं। वह कैसा प्रदर्शन करेंगे उनपर नजरें रहेंगी। बीसीसीआई की ओर से कहा गया है कि यह एक खराब विचार नहीं होगा कि उसे सत्र के आखिरी घरेलू खेल ईरानी कप में एमपी के खिलाफ खेलने की अनुमति दी जाए। वहां वह क्वालिटी गेंदबाज का सामना करेंगे जो उनके लिए अच्छा होगा। अगर वह रन बनाएंगे तो इससे उनका आत्मविश्वास ही बढ़ेगा। इसे उन्हें फार्म हासिल करने में सहायता मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

महिला टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की हार से निराश हुए सहवाग

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने टी20 महिला विश्वकप सेमीफाइनल में भारतीय टीम की हार पर निराश जतायी है। सहवाग ने कहा कि यह हार वैसे ही हुई जैसे साल 2019 आईसीसी पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में में हुई थी। तब भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में महेंद्र सिंह धोनी के रन आउट होने के बाद हार गई थी। वहीं इस बार महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत के आउट होने के बाद भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। सहवाग ने कहा कि ये दोनों घटनाएं एक भयानक समानता रखती हैं। ट्विटर पर एक पोस्ट करते हुए सहवाग ने कहा, क्रीज पर मैच विजेता और सेमीफाइनल में रन आउट। पहले भी दिल टूट चुका है। भारत को बाहर देखकर दुख हुआ। हम खेल से दूर भाग रहे थे पर ऑस्ट्रेलिया ने फिर से साबित कर दिया कि क्यों वे बहुत मुश्किल पक्ष हैं। अच्छा प्रयास लड़कियों। इसके साथ सहवाग ने धोनी और हरमनप्रीत के रन आउट की तस्वीर भी साझा की है। सहवाग का ट्वीट उन समानताओं की याद दिलाता है जो 2019 के पुरुष विश्व कप के सेमीफाइनल और 2023 के महिला टी20 विश्व कप के बारे में है। क्रीज पर तब महेंद्र सिंह धोनी और इस बार हरमनप्रीत कौर खेल रही थीं। दोनों ने 7 नंबर की जर्सी पहनी थी। दोनों अपनी टीम को जीत दिलाने की कोशिश कर रहे थे और दोनों ही दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हुए जिससे मैच भारत के हाथ से निकल गया।

आईसीसी ने नागपुर और दिल्ली की पिचों को औसत करार दिया

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने नागपुर और दिल्ली की पिचों को औसत दर्जे की रेटिंग दी है। भारत ने इन दोनो ही मैदानों पर जारी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले दोनो ही टेस्ट आसानी से जीत लिये। इन दोनो ही मैचों में पूरे पांच दिन तक खेल नहीं चला जिससे पिच पर भी सवाल उठाये गये हैं। कई प्रशंसकों और क्रिकेट बिरादरी के सदस्यों ने कहा कि भारतीय प्रबंधन ऐसी पिच तैयार कर रहा है जो घरेलू पक्ष की सहायक साबित हो रही है। दोनों ही मैचों में मेजबान टीम तीन दिनों के भीतर ही जीत हासिल करने में सफल रही है। इसके बाद नागपुर और दिल्ली में पिचों को आईसीसी के मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने औसत रेटिंग दी गई है। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को 2004/05 सत्र के बाद से ही भारत में एक बार भी टेस्ट सीरीज में जीत नहीं मिली है। चार मैचों की श्रृंखला में 2-0 से पीछे होने के कारण विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का संघर्ष अभी जारी है। वहीं भारतीय टीम ने पहले दोनो मैच जीतकर अपनी दावेदारी को मजबूत किया है। अब एक टेस्ट जीतकर भारतीय टीम विश्वटेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाना चाहेगी।

बल्लेबाज क्रीज छोड़ता है तो आउट करने वाले गेंदबाज को दोष नहीं दे सकते : एमसीसी

लंदन ।(एजेंसी)।

विश्व क्रिकेट के नियमों को बनाने वाली संस्था मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने कहा है कि अगर बल्लेबाज रन लेने के लिए नॉन स्ट्राइकर छोर से आगे निकलता है तो उसके आउट करने वाले गेंदबाज को गलत करार नहीं दिया जा सकता है। विश्व क्रिकेट समिति (डब्ल्यूसीसी) ने इस तरीके से आउट होने के तरीके को सामान्य बनाने के अपने प्रयास के तहत ही ये बात कही है। डब्ल्यूसीसी ने इस विवादास्पद मामले पर 'संयम बनाए रखने को भी कहा है। इसका कारण ये है कि कुछ पूर्व क्रिकेटर अब भी मानते हैं कि इस तरह बल्लेबाज को रन आउट करना खेल भावना के विपरीत है जबकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का मानना है कि इसे रन आउट ही माना जाएगा। एमसीसी ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम जम्पा के बिग बैश लीग मैच में नॉन स्ट्राइकर छोर पर खड़े टॉम रोजर्स को रन आउट करने के प्रयास को लेकर उठे विवाद के बाद नियम को लेकर अपना रुख साफ किया था। डब्ल्यूसीसी में कुमार संगकारा, सौरव गांगुली, जस्टिन लैंगर, एलिस्टेयर कुक जैसे दिग्गज खिलाड़ी हैं जबकि इसके प्रमुख माइक गैटिंग हैं। डब्ल्यूसीसी ने पिछले हफ्ते दुबई में आईसीसी मुख्यालय में बैठक की थी और अब वह खेल में इस

नियम को शांति से स्वीकार करने के लिए कह रही है क्योंकि नॉन स्ट्राइकर छोर पर क्रीज से आगे खड़े खिलाड़ी को रन आउट करना नियमों के अंदर ही आता है। एमसीसी ने गुरूवार को एक बयान में कहा, ''सबसे अहम कारक यही है कि इस तरह के आउट होने के तरीके पर एक सरल तरीके से सभी तरह के संदेह और विवादों को खत्म किया जा सकता है कि नॉन स्ट्राइकर छोर पर खड़ा खिलाड़ी नियमों का पालन करे और अपनी क्रीज के अंदर तब तक बना रहे जब तक गेंद फेंकी नहीं जाए।

अब माना जा रहा है कि एमसीसी के इस कदम से इस प्रकार के मामलों को लेकर विवाद की संभावना समाप्त हो जाएगी।

विराट ने अलीबाग में 6 करोड़ रुपए का विला खरीद

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने अलीबाग में एक शानदार विला खरीदा है। इसकी कीमत करीब 6 करोड़ रुपए बतायी गयी है। यह विला वाली जगह प्राकृतिक सुंदरता के कारण एक पसंदीदा स्थान है। इसके अलावा इस विला से मांडवा जेट्टी 5 मिनट की दूरी पर है। स्पीड बोट ने अब मुंबई और अलीबाग की दूरी को घटाकर 15 मिनट कर दिया है। उन्होंने कहा, विराट के ऑस्ट्रेलिया दौरे में व्यस्त होने के कारण उनके भाई विकास कोहली ने अलीबाग सब-रजिस्ट्रार कार्यालय का दौरा किया और पंजीकरण से जुड़ी औपचारिकताओं को पूरा किया। कोहली ने लेन-देन के लिए 36 लाख रुपए की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया और सौदे के हिस्से के रूप में क्रिकेटर को 400 वर्ग फुट का स्विमिंग पूल भी मिलेगा। उद्योग के सूत्रों के अनुसार अलीबाग में निकट भविष्य में लगभग 3,000 करोड़ रुपए का निवेश होने की उम्मीद है और अनुमानित 250 एकड़ को चरणबद्ध तरीके से विकसित किए जाने की संभावना है, जिसमें लक्जरी विला और एकीकृत टाउनशिप बनने की संभावना है। अलीबाग फेरी सेवाओं द्वारा मुंबई से जुड़ा हुआ है जो इसे एक आदर्श वाणिज्यिक केंद्र भी बनाता है। विराट द्वारा अलीबाग में खरीदी गई यह दूसरी संपत्ति है। इससे पहले एक सितंबर 2022 को कोहली और उनकी पत्नी अभिनेता अनुष्का शर्मा ने जीराड गांव में 19.24 करोड़ में 36,059 वर्ग फुट का फार्महाउस की खरीदा था। इसे समीरा लैंड एसेट्स प्राइवेट लिमिटेड और सोनाली राजपूत से खरीदा गया था।

गॉफ दुबई चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंची

दुबई । अमरीका की महिला टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ दुबई चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। गॉफ ने क्वार्टर फाइनल में अपने ही देश की मैडिसन कीज को 6-2, 7-5 से हराया। अब सेमीफाइनल में उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इगा स्वियातेक से होगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में कैरोलिना प्लिसकोवा बीमार होने के कारण अपने मुकाबले से हट गयी हैं। जिससे तीन बार की विजेता स्वियातेक को बिना खेले ही सेमीफाइनल में प्रवेश मिल गया। पांचवीं वरीयता प्राप्त गॉफ ने अपने ही देश की कीज की गलतियों का फायदा उठाते हुए 51 गलतियां कीं। वहीं एक अन्य मुकाबले में बारबोरा क्रेजसिकोवा ने दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका को 0-6, 7-6,6-1 से हराकर सबको हैरान कर दिया। सबालेंका इस मुकाबले की शुरुआत में बढ़त के बाद भी क्रेजसिकोवा से हार गईं। क्रेजसिकोवा का सामना सेमीफाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला से होगा। पेगुला कैरोलिना मुचोवा के चोटिल होने के कारण वॉकओवर मिलने से अंतिम चार में पहुंचीं हैं।

हरमनप्रीत , धोनी जर्सी नंबर 7 और रन आउट के साथ भारत की हार का अजब संयोग

केपटाउन ।(एजेंसी)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम एक बार फिर विश्व खिताब के करीब आकर भी उससे दूर हो गयी। भारतीय टीम को महिला टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली पांच रनों की हार से बाहर होना पड़ा है। भारतीय टीम इस मैच में जीत की दहलीज पर पहुंचकर भी हार गयी। ऐसा कप्तान हरमनप्रीत कौर के रन आउट होने से हुआ। ऑस्ट्रेलिया के 172 रनों के जवाब में भारतीय टीम 168 रन ही बना पायी। इस मैच में जो अहम बात देखने में आई वह जर्सी नंबर 7 से जुड़ा एक संयोग रहा। इस हार से इंग्लैंड में खेले गए एकदिवसीय पुरुष विश्व कप 2019 की हार की यादें फिर ताजा हो गयीं। उस समय न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में अहम मौके पर महेन्द्र सिंह धोनी रन आउट हुए थे। इसके बाद मैच भारतीय टीम के हाथ से वैसे ही फिसला जैसे इस बार महिला विश्वकप में हुआ है। 15वें ओवर में जब हरमन आउट हुईं तो भारतीय टीम जीत के करीब थी। गार्डनर के एक सीधे थ्रो पर एलिस हिली ने उन्हें रन आउट कर दिया। हरमनप्रीत कौर क्रीज के करीब पहुंची तो जरूर थीं, लेकिन उनका बल्ला उलझ गया। वह रन आउट हो गईं। यह संयोग ही है कि दोनों ही खिलाड़ी 7 नंबर की जर्सी पहनते हैं। हरमनप्रीत के आउट होने के बाद एक के बाद एक के बाद एक विकेट गिरने लगे भारतीय टीम जीत से दूर हो गयी। अंतिम ओवर में उसे जीत के लिए 16 रन चाहिए थे पर 10 रन ही बने। इस तरह टीम इंडिया 5 रनों से हार के साथ ही टूर्नामेंट से बाहर हो गयी। हरआउट होने के बाद हरमन काफी निराश थीं। वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सकीं और उसने मैदान पर ही बल्ला फेंक दिया था। उन्हें पता था कि उससे कितनी बड़ी गलती हो गई है। हरमनप्रीत ने 34 गेंदों में 6 चौके और एक छक्का की सहायता से 52 रन बनाये थे। साल 2019 में धोनी के रन आउट होने से भारतीय टीम के हाथ से फिसला था मैच वहीं दूसरी ओर साल 2019 विश्वकप सेमीफाइनल में धोनी न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्टिल के एक तेज तर्रार थ्रो पर रन आउट हुए थे। उन्होंने भी मैच में तब अर्धशतक लगाया था। जब तक वह मैदान पर थे तब तक भारत जीतते दिख रहा था, लेकिन उनके आउट होने के बाद भारत की उम्मीदें टूट गयी थीं। वहीं न्यूजीलैंड के 239 रनों के जवाब में भारतीय टीम 221 रन ही बना पायी।

अंतिम ओवर में बढ़ी हुई थी दिल की धड़कन : गार्डनर

केप टाउन । टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने से उत्साहित ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की कप्तान ऐश्ली गार्डनर ने कहा कि अंतिम ओवरों में वह बेहद घबरा गयीं थीं और उनके दिल की धड़कन तक बढ़ गयी थी। ऐश्ली ने कहा, अंतिम ओवर में मेरा दिल जोर से धड़क रहा था। हम ऐसे ही शानदार वापसी करते हैं। हम जीतने की हालत में नहीं थे पर हमने अपनी राह बनायी और मैच जीता। हम वास्तव में कड़ी मेहनत करते हैं और आज भी हमने यही किया। हमने मैच में अच्छी बल्लेबाजी भी की थी पर गेंदबाजी में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये पर इसके बाद भी हमारी टीम ने जुझारु प्रदर्शन किया। उन्होंने साथ ही कहा, मैच में हम स्पष्ट रूप से जानते थे कि उनके पास सभी तरह से उपयोगी बल्लेबाज हैं, इसलिए हमारा लक्ष्य था कि कोई रन आसानी से नहीं देना चाहते हैं। मैं बस विकेट पर गेंदबाजी करने की कोशिश कर रही थी और जितनी बार संभव हो विकेट के सामने गेंद रखने की कोशिश कर रही थी। बीच में समय बिताना हमेशा अच्छा लगता है, मेग लेनिंग के साथ भी समय बिताना अच्छा लगता है । वह हमेशा शांत रहती हैं और चीजों को सरल रखती हैं। इस पूरे विश्व कप में मेरी कुछ पारियों के बाद इस खेल में आने वाले आत्मविश्वास से मुझे लगा, मुझे लगता है कि मुझे उस आत्मविश्वास को अगले खेल में ले जाना होगा और फिर उम्मीद है कि फाइनल में जीत हासिल होगी। ऐश्ली ने इस मैच में 4 ओवर में 37 रन देकर 2 विकेट लिए, साथ ही 18 गेंदों में 31 रनों की शानदार पारी खेली। उन्हें इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड के लिए नवाजा गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्याज एवं लहसुन फसल में कीटों से सुरक्षा

आस्था शर्मा, पिंकी शर्मा, डॉ. दीपक गुप्ता
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविधालय, जोबनेर-जयपुर (राज.)

प्याज एवं लहसुन भारत में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण फसलें है। इनकों सलाद के रूप में, सब्जी में, आचार या चटनी बनाते समय प्रयोग में लाते हैं। प्याज एवं लहसुन की खेती रबी मौसम में की जाती है लेकिन इनको खरीफ(वर्षा ऋतु) में भी उगाया जाता है। प्याज एवं लहसुन की फसल में विभिन प्रकार के रोग एवं कीट लगते हैं जिससे उत्पादन प्रभावित होता है। अच्छी गुणवत्ता वाली उच्च विपणन योग्य कन्द उपज पाने के लिए उचित तरीकों से कीट और रोग प्रबंधन करना बहुत आवष्यर्क है। इसके अलावा, निम्नलिखित बातें ध्यान में रखनी चाहिए।

1 कीटनाशक का छिड़काव रोपाई से 30 दिनों बाद या जैसे ही कीट रोग प्रकट हो, आरंभ कर देना चाहिए।

2 कीट की तीव्रता के आधार पर 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव किया जाना चाहिए।

3 हमेशा छिड़काव करते समय चिपकने वाले पदार्थ (स्टीकर) ड़ाले।

4 एक ही वर्ग के कीटनाशकों का बार बार इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

प्याज व लहसुन के प्रमुख कीट

चूसक कीट (थ्रिप्स टेबेसाई)

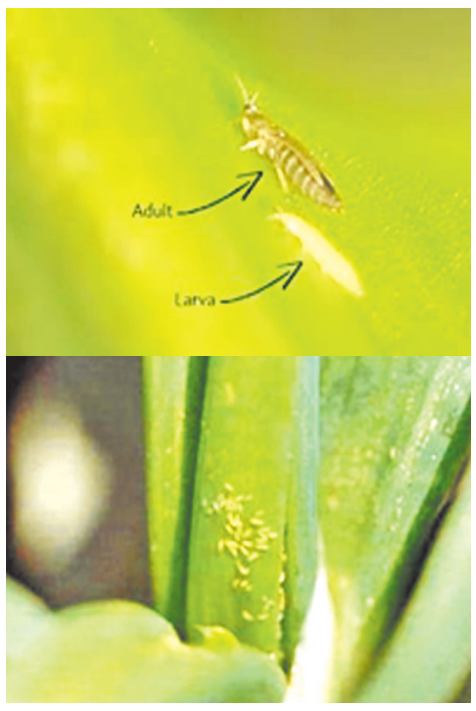

ये प्याज का प्रमुख रुप से हानि पहुंचाने वाला कीट है। इनका आक्रमण तापमान में वृद्धि के साथ तीव्रता से बढ़ता है और मार्च में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। इनका रंग हल्का पीले से भूरे रंग का तथा छोटे-छोटे गहरे चकत्ते युक्त होता है। इस कीट के निम्फएवं प्रौढ़ दोनों ही अवस्थायें मुलायम पत्तियों का रस चूस कर उन्हें क्षति पहुँचाती है। इस कीट से प्रभावित पत्तियों में जगह जगह पर सफेद धब्बे दिखाई देते हैं। अधिक प्रकोप होने पर पत्तियां सिकुड़ जाती है और पौधों की बढ़वार रुक जाती है तथा प्रभावित पौधों के कंद छोटे रह जाते हैं जिससे उपज मे कमी हो जाती है।

रोकथामः

1. सर्वप्रथम रोपाई के पूर्व पौधों की जड़ों को दो घंटे तक कार्बोसल्फान एक मिली प्रति लीटर पानी के घोल से उपचारित करना चाहिए।
2. इन कीटों का संक्रमण दिखाई देने पर नीम द्वारा निर्मित कीटनाशी (जैसे ईकोनीम, निरिन या ग्रेनीम) 3-5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार घोल तैयार कर शाम के समय फसल पर 10-12 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव करें
3. डाईमेथोएट 30 ई.सी. 650 मि.ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या मेटासिस्टॉक्स 25 ई.सी. 1 ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 30 ई. सी. 5 मि.ली. प्रति 15 ली. पानी के साथ छिड़काव करें। कीटनाशक के सही प्रभाव हेतु चिपकने वाले पदार्थ (स्टिकर) जैसे सेन्डोविट या टीपॉल (2.5 ग्राम प्रति लिटर) का प्रयोग करना चाहिए।

प्याज की मक्खीः मैगट (हाईलिमिया ऐंटीकुआ)

यह मक्खी प्याज की फसल का प्रमुख हानिकारक कीट है जो अपने मैगट पौधों के भूमि के पास वाले भाग, आधारीय तने में दिए जाते हैं। मैगटों की संख्या 2-4 तक हो सकती है। इनसे भूमि के पास वाले तने का भाग सड़कर नष्ट हो जाने से पूरा पौधा सूख जाता है। कभी-कभी इस कीट द्वारा फसल को भारी मात्रा मे क्षति होती है

रोकथामः

1. फसल की रोपाई पूर्व, खेत की तैयारी करते समय नीम की खली/खाद 3-4 क्विं. प्रति एकड़ की दर से जुताई कर भूमि मे मिलाएं।
2. खेत की तैयारी करते समय कीटनाशी क्लोरोपाइरिफॉस 5 प्रतिशत की दर से जुताई करते समय भूमि मे मिलाएं तत्पश्चात फसल की रोपाई करें।
3. खड़ी फसल मे इस कीट (मैगट) का संक्रमण दिखाई देने पर कीटनाशी क्यूनालफॉस 2 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार मात्रा में घोल तैयार कर शाम के समय 2-3 छिड़काव करें।

कटवा

इस कीट की सूंडियाँ या इल्ली जो कि 30-35 मिली मीटर लंबी एवं राख के रंग की होती है, पौधों की जमीन के अंदर वाले भाग को कुतर कर नुकसान पहुंचाती हैं। इससे पौधे पीले पड़ने लगते हैं एवं आसानी से उखड़ जाते हैं।

रोकथामः

1. फसल चक्र अपनाना चाहिए।
2. आलू के बाद प्याज की फसल नहीं लगाना चाहिए।
3. रोपाई के पूर्व थीमेट 10 जी 4 कि.ग्रा. एकड़ की दर से खेत में मिलाना चाहिए।

शीर्ष छेदक (हेलिओथिस आर्मिजेरा)

इस कीट का लार्वा पत्तियों को काटकर फसल को हानि पहुँचाता है। यह कीट प्याज की बीज वाली फसल में ज्यादा क्षति पहुँचाता है।

रोकथामः

इनके नियंत्रण हेतु मिथाइल डेमेटोन या साइपरमेथ्रिन 0.5-1.0 मि.ली. दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। घोल में 0.1 प्रतिषत ट्राइट्रोन या सैन्डोविट नामक चिपचिपा पदार्थ अवश्य मिलायें।

जैविक पशुपालन, स्वास्थ्यवर्धक एवं ज्यादा मुनाफे की तकनीक

जैविक पशुपालन से तात्पर्य है कि पशुओ को खिलाये जाने वाला चारा व दाना पुर्ण रूप से जैविक हो तथा पशुओ से प्राप्त उत्पाद संश्लेषित रासायनिक पदार्थ व खादों से पूर्णतरू मुक्त होना चाहिए द्य

जैविक पशुपालन के फायदे, मनुष्य व अन्य प्राणियों को जैविक उत्पादों का उपयोग कर घातक बिमारियों से बचाया जा सकता हैद्य स्थायी कृषि व पशुपालन को बढावा मिलता है द्य यह स्वास्थ्यवर्धक है द्य कम लागत से अधिक मात्रा व गुणवता वाले उत्पाद प्राप्त होना द्य मृदा का स्थायी स्वास्थ्यवर्धन करता है द्य जैविक खाद्य पदार्थो का बाजार मूल्यए सामान्य खाद्य पदार्थो से कई गुना अधिक है जिससे पशुपालक को ज्यादा मुनाफा मिलेगा।

जैविक पशुपालन के लिये क्या करे रू. जैविक पशुधन फार्म का प्रमाणीकरण अधिकृत जैविक प्रमाणीकृत एजेंसी से ही करवाए द्य पशुओ को पूर्णतरू जैविक चारा व दाना खिलाये तथा चारा उत्पादन के लिये प्रमाणित जैविक बीजो का उपयोग करे द्य जैविक पशुधन फार्म मेंए अन्य पशुओ को नही आने दे द्य कीटोव पीडको का नियंत्रण जैविक विधि से करे द्य पशुओ को प्राकृतिक चरागाहो में ही चराये द्य इन पशुओ से प्राप्त उत्पादों को अन्य पशुओ से प्राप्त उत्पादों से अलग रखे तथा इनमे किसी भी प्रकार का रासायनिक संरक्षक व फीड एडीटिव नही मिलाये द्यउत्पादों की पैकेजिंग जैविक तरीके से करेए उत्पादों को प्रमाणीकृत एजेंसी से प्रमाणित करवाकर जैविक उत्पाद होने का मार्का लगाकर ही बेचे जिससे ज्यादा लाभ मिल सके द्य बीमार पशुओ के लिये जहा तक संभव हो होम्योपेथिक व आयुर्वेदिक दवाओ का उपयोग करे।

जैविक पशुपालन के लिये क्या नहीं करेरू. मृदा में संश्लेषित रासायनिक पदार्थो जेसे. कीटनाशी व पीडकनाशी आदि तथा रासायनिक खादों का उपयोग नहीं करे द्य पशुओ में जहा तक संभव हो एलोपेथिक दवाओ का उपयोग नही करे द्य जेनेटिकली मॉडिफाइड वैक्सीन व चारा उत्पादन के लिये जेनेटिकली मॉडिफाइड बीजो का उपयोग नही करे।

डॉ.नरेंद्र चौधरी, डॉ. शशि चौधरी
पशु विज्ञान केंद्र राजुवास बीकानेर

मुर्गियों के पेट में पानी भरने की बीमारी का ईलाज

मृत्युदर- 2-25 तेज बढ़ने वाले ब्रायलर नस्ल को अच्छा सन्तुलित आहार चाहिए और आज के परिवेश में सबसे अच्छा सन्तुलित आहार पिलेट फीड है परन्तु जब भी कोई किसान पिलेट फीड पहली बार शुरू करता हैं, तो तेज वजन बढ़ने के साथ-साथ उसे पेट में पानी भरने का भी सामना करना पड़ता है। यहां एक बार और साफ कर दें- लाट में तेज बढ़ने वाले ब्रायलर एसाईटिस से ज्यादा ग्रस्त होते है, विशेष रूप मे नर ब्रायलर, परन्तु जिनकी मृत्यु होती है, वह औरों के मुकाबले छोटे होते हैं। इसका तात्पर्य साफ है, कि यह तेज बढ़ने वाले ही थे, परन्तु पहले किसी समय इनके फेफड़े दिल एवं लीवर पर बुरा प्रभाव पड़ा, जिसके कारण इनके बढ़ने की रफतार धीमी पड़ गई और मरते समय औरों के मुकाबले छोटे रहे।

पेलट मिमक फीड और फीडिंग का मैनेजमेन्ट किस प्रकार करें कि एमाईटिस की समस्या से बचाएं रखा जाए।

लाभ की बात है पिलेट कम समय में अधिक खाया जाता हैं, इसलिए ब्रायलर तेज गति से बढ़कर कम समय में तैयार हो जाता हैं और एफ.सी.आर. भी कम आता है, परन्तु इसके लिए शरीर में मेटाबालिक क्रिया भी तेज हो जाती है। इस क्रिया की गति बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन हवा एवं पानी की आवश्यकता भी बढ़ जाती हैं। यदि यह आवश्यकता पूरी न हुई तो मोटाबालिक गति बहुत तेज होने के कारण ब्रायलर कोशिश करता है कि अधिक से अधिक रक्त फेफड़ों के जरियें पम्प किया जाए, जिससे दिल के राईट वैन्ट्रीकल पर बहुत अधिक दबाव पड़ता हैं, जो वास्तव में बहुत छोटा होता हैं, परन्तु दबाव के कारण इसका आकार दोगुना हो जाता हैं और कमजोर होकर उल्टा प्रैशर डालता हैं, जिसके कारण लीवर से प्लाजमा रिसाव लीक कर पेट में एकत्रित होता है, जो सफेद या पीला तरल होता हैं और पेट फूलना शुरू हो जाता हैं, जिसे एसाईटिस या वाटर बेली के नाम से जाना जाता हैं। अब

यहां जो बहुत ही महत्वपूर्ण बाते सामने आई है वह है हवा और पानी।

हवा और पानी की बिल्कुल मुफ्त है, उस पर हम कितना ध्यान देते हैं? बढ़िया वजन कम से कम फीड पर बिना किसी बीमारी के हवा एवं पानी का योगदान किसी भी हालात में बढ़िया से बढ़िया फीड से कम नही। बढ़िया फीड अकेले वह फल नही दे सकती, जिसकी हमें अपेक्षा हैं।

पानी- पिलेट फीड के कारण पानी की आवश्यकता ज्यादा है, अतः पानी हमें हर समय उपलब्ध हो एवं पानी के बर्तन बढ़कर लगायें जायें।

- पानी स्वच्छ फफूंद एवं कीटाणु रहित हो साथ ही पानी में क्लोराईड और सोडियम की मात्रा अधिक न हो-ठण्डा रहे।
- पानी का तापमान जाड़े में कमरे के तापमान से कम न हो और गर्मी में 220 सैंटीग्रेड से अधिक न हो-ठण्डा रहें।

हवा- हवा से ही पक्षी को आक्सीजन प्राप्त होती हैं एवं इसकी कमी आमतौर से पहले दिन से ही शेड में होती है, विशेष रूप से जाड़े में।

- तापमान बनाये रखने के लिए हम शेड को चारों और से पोलिथीन से कवर कर देते हैं। हवा अन्दर जाये तो किधर से जायें। अन्दर बुखारी जलती है, उसे भी जलने के लिए आक्सीजन चाहिए। जो गलती से थोड़ी खींच लेती हैं।

जैविक खेती- एक बेहतर खेती का विकल्प

डॉ. प्रवीण कुमार जागा मृदा वैज्ञानिक/ सहा, प्राध्यापक कृषि महाविद्यालय, गंजबासौदा

किसानों को अपनी खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए जैविक खादों के प्रयोग से अभियान को आगे बढ़ाने की शुरूआत करना चाहिए। इसके लिए हमारे किसानों को सबसे पहले अपने घर, आंगन, गली एवं खेत में उपस्थित कचरे को एक जगह इक्ट्ठा करें। इनमे से कांच, पत्थर और प्लास्टिक को निकालकर अलग कर ले। आमतौर पर गांव के कचरे में सूखे पत्ते डंठल टहनियां मिट्टी आदि शामिल होती हैं। यह कचरा नाडेप कंपोस्ट बनाने की प्राथमिक सामग्री हैं। इसमें अनुपात अनुसार गोबर मिट्टी और पानी डालकर नाडेप कंपोस्ट बना सकते हैं। मात्र एक गाय के वार्षिक गोबर से 80 से 100 टन अर्थात लगभग 150 बैलगाड़ी खाद प्राप्त किया जा सकता हैं। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के कृषक श्री नारायण पांडरी पांडे यानि नाडेप काका ने इस विधि को खोजा था। इसलिए इसे नाडेप कंपोस्ट नाम दिया गया हे। इस विध से तैयार खाद में नत्रजन 0.05 से 1.5 प्रतिशत स्फुर 0.5 से 0.9 प्रतिशत तथा पोटाश 1.2 से 1.4 प्रतिशत पाया जाता हैं। नाडेप की प्राकृतिक पद्धति पूर्णत्या अप्रदूषणकारी एंव जैविक है। इसमें गांव के कूड़े-कचरे का कल्याणकारी उपयोग होगा, साथ ही गांव स्वच्छ हर कर स्वास्थ्यवर्धक होगा तथा पोषक अन्न प्राप्त होगा। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढेगी और रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं पर निर्भरता भी कम होकर उनके दुष्परिणामों से भी बचा जा सकेगा। इस तरह से आप प्राकृतिक खाद का निर्माण कर सकते हैं और अपनी खेती को लाभ का धंधा भी बना सकते हैं।

नाडेप टांका बनाने की विधि- योग्य पाया भरकर जमीन के ऊपर ईंट का एक आयताकार टांका बनाया जाता हैं। जिसकी दीवारे 9 इंच चौड़ी होती हैं। टांके के अन्दर का माप लंबाई 12 फीट, चौड़ाई 5 फीट और ऊंचाई 3 फीट होती हैं। ईंटों की जुड़ाई मिट्टी से की जा सकती हैं। सिर्फ आखिरी रद्दा सीमेंट से जोड़िये ताकि टांका गिरने का डर नही रहेगा। टांके का फर्श ईंट पत्थर के टुकड़े डाल कर सीमेंट से पक्का करे। यह टांका हवादार होना आवश्यक है, क्योंकि खाद सामग्री को पकने के लिए कुछ मात्रा में हवा की आवश्यकता होती हैं। इसके लिए टांका बांधते समय चारों दीवारों में छेद रखें जाते हैं। ईंटों के हर दो रद्दों की जुड़ाई के बाद तीसरे रद्दे की जुड़ाई करे। इस प्रकार चारों दीवारों में छेद बनेगे। छेद इस प्रकार रखिए कि पहली लाईन के दो छेदों के मध्य में तीसरी लाईन के छेद आयें। इस प्रकार से तीसरे छटे एवं नौवें रद्दे में छेद बनेगें। छेदों की संख्या बढ़ाने से खाद जल्दी पक जाती हैं। इस टांके को अंदर बाहर दीवारों और फर्श को गोबर मिट्टी से लीप दें। टांका सूखने के बाद ही प्रयोग करें। बरसात व अत्यधिक गर्मी में नाडेप टांके के ऊपर अस्थाई छाया हैं।

नाडेप बनाने हेतु सामग्री

वानस्पति व्यर्थ पदार्थ- कुछ वनस्पति पदार्थ जैसे सूखे पत्ते छिलके डंठल टहनियां जड़े आदि जिसकी मात्रा 1400 से 1500 कि.ग्रा. या 400 घनफूट होना चाहिए, साथ ही इस बात का ध्यान रखना चाहिए, कि इसमें प्लास्टिक कांच एंव पत्थर नही होना चाहिए।

गोबर- पशुओं को गोबर जो 90 से 100 कि.ग्रा. या 8 से 10 टोकने गोबर का उपयोग करना चाहिए। गोबर को संयत्र से निकली स्लरी भी उपयोग में लाई जा सकती हैं।

सूखी छनी मिट्टी- खेत की या नाले आदि की मिट्टी के पहले उपयोग करना चाहिए। उपयोग के पहले इसमें से प्लास्टिक काचं एवं पत्थर आदि खाद न बनाने वाले पदार्थ निकाल लेना चाहिए। इसकी मात्रा करीब 2750 किलो या 120 टोकने गौमूत्र से सनी मिट्टी बहुत उपयोग होती हैं।

पानी- समयानुसार कम या ज्यादा पानी का उपयोग करना चाहिए, किंतु साधसरणतया सूखे वानस्पतिक पदार्थ के वजन बराबर 25 प्रतिशत वाष्पीकरण के लिए 1500 से 2000 लीटर प्रति कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए। जिसमें गौमूत्र एवं पशुओं का मूत्र भी मिट्टी में मिलाना चाहिए।

टांका भरने की पद्धति- सबसे पहले हमारे किसान उपरोक्त बताए अनुसार सामग्री की व्यवस्था लें। तत्पश्चात निम्नानुसार क्रम से टांका को भरे। जिस तरह अचार एक ही दिन या 24 घंटे में डाला जाता हैं। ठीक उसी तरह टांका एक दिन में भरकर सील कर देना चाहिए। अन्यथा खाद बनाने की क्रिया प्रभावित हो सकती हैं। भराई विधि निम्नानुसार क्रम से करें।

प्रथम उपचार- जिसके अंतर्गत प्रथम भराई का काम करने से पहले टांके के अंदर की दीवार को अच्छी तरह से पानी छिड़क कर गीला कर लेना चाहिए। अब बात करते है, दूसरी परत की जिसमें गोबर का घोल पहली परत इस प्रकार छिड़के कि पूरी वनस्पति अच्छी तरह भाग जाये। गर्मी के मौसम में पानी का अंश अधिक रखें। यदि आपने गोबर की स्लरी ली हो तो 2.5 गुना या 10 ली. पानी की मात्रा कम रखें। इसके बाद साफ छनी भीगी मिट्टी वनस्पति पर डाले। जिसकी मात्रा कम से कम 50 से 60 किलो या वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत काली मिट्टी समतल बिछा देना चाहिए और उस पर पानी छिड़क देना चाहिए। अब तीसरी परत के लिए साफ सूखी छनी मिट्टी भीगी हुई वनस्पति परत पर वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत यानि 50 से 60 किलो काली मिट्टी समतल बिछा दें। टांके को इस प्रकार तीन परतों को क्रम से टांके के मुंह के ऊपर 1.5 फीट ऊंचाई का झोपड़िनुमा आकार में भरते जाईए। साधारणत्या 11-12 तहों में टांका भर जायेगा। अब भरे टांका को सील कर दें। भरी सामग्री के ऊपर 3 इंच की मिट्टी की तह जमा दें और उसे गोबर के मिश्रण से व्यवस्थित रूप से लीप दें और यदि इस पर दरारे पड़े तो उन्हें लीप दें।

द्वितीय उपचार- इसे फिर से वनस्पति कचरे की उपरोक्त विधि से 6-6 इंच की परत से टांके से दो से ढ़ाई फीट ऊपर तक भर दें और टांके गोबर से लीपकर सील कर दें। सामग्री नम बनी रहे उसे सूखने न दे जरूरत के अनुसार इन्ही छेदों में पानी छीटते रहे। 70 से 90 दिन बाद, जब खाद पक गई हो और तापमान सामान्य हो जावे तब टांके में सब्बल से जगह-जगह 15 से 20 छेद करें। अब एक-एक किलो राईजोबियम एजेटोबेक्टर जीवाणु और पी.एस.एम. एक-एक बाल्टी पानी में अलग-अलग घोलकर अलग- अलग छेदों को फिर से बंद कर दें। उचित यह होगा कि जिस फसल में उत्पादित खाद का उपयोग किया जाना है, उसी फसल से संबंधित राईजोबियम कल्चर का उपयोग करें। खाद की गुणवत्ता बढेगी। नत्रजन स्फुर व पोटाश की मात्रा अधिक होगी और अधिक संख्या में जीवाणु भी होगें। 110-120 दिन बाद टांके से निकाले। खाद के ढेर को छांव में रखकर पत्ते से ढेक दें। इस पर पानी का हल्का छिड़काव करें। ऊपरी अधपका 10-15 प्रतिशत कचरा अलग कर उसे नया टांका भरते समय काम में लावे। एक टांके भरते समय काम में लावे। एक टांके से 2.5 से 2.7 टन खाद निकलती है, जो एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिए पर्याप्त होगी।

दक्षता- नाडेप परिपक्व होने के लिए प्रथम भराई की तारीख से 90 से 120 दिन लगते है। इस पूरे समय में खाद में सार्द्रता बनी रहने के लिए और दरारे बंद करने के लिए गोबर पानी का छिड़काव करते रहना चाहिए। आवश्यक लगे तो छेदों में भी पानी छिड़क कर इस पर दरारे न पड़ने दे। घास उगे तो उसे निकाल दें। नमी कायम रखे यदि कड़ी धूप हो तो उस पर घास फूस की चटाई से छायां कर दें या अस्थाई छप्पर बना दें, जिससे धूप एवं वर्षा से संरक्षण मिल सके।

खाद की परिपक्वता- तीन चार महीने में खाद गहरे भूरे रंग की बन जाती हैं और सब दुर्गन्ध समाप्त होकर एक अच्छी खुशबु आती है। खाद सूखना नही चाहिए। इसमें 15 से 20 प्रतिशत नमी रहना ही चाहिए। इस खाद को एक फीट से 35 तार वाली छलनी से आड़ी रखकर छान लेना चाहिए। छना हुआ नाडेप कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए और छलनी के ऊपर का अर्द्धपक्व कच्चा माल फिर से खाद बनाते समय वनस्पति पदार्थ के साथ उपयोग में लाना चाहिए। छना खाद प्रति एकड़ 20 से 25 घन फीट बोकर दिया जा सकता हैं।

खाद के उपयोग की पद्धति- यदि आपके पास प्रति एकड़ वर्ष 3 से 5 टन खाद बोनी के 15 दिवस पूर्व खेत में फैला कर बखर चला देना चाहिए। यदि पहले ही वर्ष रासायनिक खाद नही देना हो तो नाडेप कंपोस्ट की मात्रा की तीन गुनी यानी कम से कम 10 से 15 टन नत्रजन 50 से 70 टन स्फुर और 130 किलो पोटाश और 9700 किलो सूक्ष्म अन्नद्रयुक्त पोषण मिल सकता है, क्योंकि कोई खाद पहले वर्ष में 33 प्रतिशत दूसरे वर्ष में 45 प्रतिशत और शेष 22 प्रतिशत तीसरे, चौथे वर्ष में पूरा उपलब्ध नही हो सकता हैं।

अमृत पानी- देशी गाय के 10 किलो ग्राम ताजे गोबर की देशी गाय के दूध से बना नोनीया घी 250 ग्राम अच्छी तरह फेटे, इसके बाद इसमें 500 ग्राम शहद मिलाकर फेटे। इस मिश्रण में से करीब आधा किलो मिश्रण लेकर बड़ के पेड़ के नीचे की आधा कि.ग्रा. मिट्टी अच्छी तरह मिला दें। अब इसकी एक कि.ग्रा मिश्रण को पतला कर बोनी करे। बोवनी के बाद अमृत पानी का छिड़काव करें।

विधि- अमृत पानी को या तो बोवनी के पूर्व की सिंचाई के साथ या बोवनी के बाद की प्रथम सिंचाई के साथ करें।

अमृत संजीवनी- मोबिल आईल की खाली 200 लीटर वाली ढक्कन कोठी लेवे। जिसमें दो रिंग से तीन समान भाग होते हैं। इस ड्रम में देशी गाय बैल बछियां का ताजा 60 किलो गोबर डाले। जिसमें दो रिंग तक अर्थात 2/3 भाग पर जावेगा। इस गोबर पर तीन कि.ग्रा यूरिया, तीन कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट तथा एक किलो ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश कुल 7 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक तथा दो किलो मूंगफली की खली डाले। अब इस टंकी में पानी भर दें। मात्र ऊपर के किनारे से तीन इंच खाली रखें। संपूर्ण मिश्रण को लकड़ी से अच्छी तरह चला दें और ढक्कन बंद करके 48 घंटे यानि दो दिन रखे। तत्पश्चात फसल में दें।

उपयोग विधि- प्रति कतार एक लीटर अमृत संजीवनी का मिश्रण देना चाहिए। मिश्रण को हाथ से मिलाकर महीन कर लेना चाहिए। पहले छिड़काव के 7 दिन बाद बदलाव दिखने लगेगा।

मटका खाद- 15 कि.ग्रा. ताजा गोबर, देशी गाय का 15 लीटर ताजा गोमूत्र तथा 15 लीटर पानी मिट्टी के घड़े में घोल लेवे। इसमें 250 ग्राम गुड़ भी मिला देवे। इस घोल को मिट्टी के बर्तन में ऊपर से कपड़ा या टाट मिट्टी से पैक कर देवें। 4-5 दिन बाद इस घोल में 200 लीटर पानी मिलाकर एक एकड़ खेत में समान रूप से छिड़क देवें। यह छिड़काव बोनी के 15 दिन बाद करें। पुनः सात दिन बाद दोहरावें। सामान्यतया फसल में 3-4 बार और लंबी अवधि की फसल जैसे गन्ना, केला, हल्दी में 8 बार छिड़के।

बायों गैस स्लरी- बायो गैस संयत्र में गोबर की पाचन क्रिया के बाद 25 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपान्तर गैस के रूप में होता हैं और 75 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपांतर खाद के रूप में होता है। 2 घन मीटर के गैस सयंत्र में जिसमें करीब 50 कि.ग्रा. गोबर राज या 18.25 टन गोबर एक वर्ष में डाला जाता हैं। उस गोबर से 80 प्रतिशत नमी युक्त करीब 10 टन बायों गैस स्लरी का खाद प्राप्त होता हैं। यह खेती के लिए अति उत्तम खाद है। इसमें 1.5-2.0 प्रतिशत नत्रजन स्फुर 1.0 प्रतिशत तक होता हैं। इसके अलावा सूक्ष्म पोषक तत्व एवं ह्यूमस भी पाया जाता हैं।

उपयोग विधि- यह खाद असिंचित खेती में करीब 5 टन व सिंचित खेती हेतु 10 टन प्रति हैक्टेयर के मान में डाला जाता हैं।

जीवाणु खाद- रासायनिक खेती के दीर्घकालीन परिणामों को देखते हुए कृषकों को वापिस जैविक खेती की ओर लौटना होगा। अगर देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाना है तो जैविक खेती में यू तो कई घटक है, लेकिन केंचुआ और उसके उत्पादों को प्रथम श्रेणी में रखा गया हैं। इसलिए टिकाऊ खेती के लिए खेती में केंचुओं की संख्या बढ़ाने के प्रयास करने की आवश्यकता हैं। केंचुआ न केवल खाद, मल आदि देता है, बल्कि यह आय का अच्छा स्त्रोत बन सकता हैं।

निर्माण एंव उपयोग विधि- केंचुआ खाद के उत्पादन की विधि एवं सरंचना पर वर्मी कंपोस्ट बनाने के लिए छायादार स्थान और मुख्य सामग्री के रूप में घास पत्तियां गोबर सब्जियों के छिलके आदि अपघटनशील पदार्थो का चुनाव करते है। फिर भी केंचुओं के अधिक एवं अच्छे उत्पादन के लिए कई विधियां अपनाई जाती हैं। पहली विधि है- टांका विधि

टांका विधि- जिसके अंतर्गत जमीन के ऊपर इंटों को टांका बनाया जाता हैं। टांके के तल में 1 इंच मोटी तब बिछाकर नम कर लें एवं कार्बनिक पदार्थ की 3 से 4 इंच की तह बिछाकर 2 से 3 इंच पकी गोबर की खाद डाले। तत्पश्चात 2000 केंचुए या 100 से 150 केंचुए/ वर्ग फुट के हिसाब से फैला दें एवं घास फूस से ढक दें तथा प्रतिदिन के हिसाब से पानी देते रहे। जबकि दूसरी विधि है-गड्ढा विधि।

गड्ढा विधि- इस विधि के अंतर्गत जमीन पर गड्ढा खोदकर इसके तल को पक्का करके पहली विधि के अनुसार ही मिट्टी, सामग्री तथा केंचुए डालकर टाट से ढक दें और पानी देते रहें।

ब्रिस्बेन में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर खालिस्तानी झंडे फहराया

सिडनी । खालिस्तानी समूहों द्वारा ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों में तोड़फोड़ करने के कुछ दिनों बाद ब्रिस्बेन में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ। खालिस्तानी समर्थकों ने भारतीय वाणिज्य दूतावास पर खालिस्तानी झंडे भी फहराए। यह हमला 21 फरवरी को क्वींसलैंड के ब्रिस्बेन में हुआ था। ब्रिसबेन में भारत की वाणिज्य दूत अर्चना सिंह ने 22 फरवरी को कार्यालय में खालिस्तान का झंडा लगा हुआ पाया। बता दें कि इससे पहले मेलबर्न के अल्बर्ट पार्क स्थित इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) मंदिर (जिसे हरे कृष्ण मंदिर के रूप में भी जाना जाता है) के प्रबंधन ने 23 जनवरी को पाया कि मंदिर की दीवार पर तोड़फोड़ हुई है और जिसपर आपत्तिजनक वाक्यांश 'हिन्दुस्तान मुर्दाबाद' लिखा हुआ है। इसी तरह विक्टोरिया के कैरम डाउन्स स्थित ऐतिहासिक श्री शिव विष्णु मंदिर में 16 जनवरी को तोड़फोड़ हुई थी। मेलबर्न स्थित स्वामीनारायण मंदिर की दीवारों पर आसमाजिक तत्वों ने 12 जनवरी को भारत विरोधी नारे लिखे।

कैलिफोर्निया में कोरोना वायरस ने ले ली एक लाख से अधिक की जान

सैन फ्रांसिस्को । दुनियाभर में कोविड ने लाखों की जान ले ली। अमेरिका में सबसे अधिक आबादी वाले राज्य कैलिफोर्निया में सबसे अधिक कोविड-19 के चलते मौतें दर्ज की गई हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कोरोना वायरस से संबंधित आंकड़े जारी किए हैं। मीडिया ने स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि लगभग 40 मिलियन आबादी वाले राज्य में 2020 से कुल 1 लाख 187 लोगों की मौत कोविड-19 के चलते दर्ज की गई हैं। विभाग ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि यह बेहद दुखद है कि महामारी ने कैलिफोर्नियावासियों को काफी नुकसान पहुंचाया है। विभाग के लेटेस्ट अपडेट के अनुसार कैलिफोर्निया में गुरुवार तक 11.1 मिलियन से अधिक लोगों के कोरोना संक्रमित होने की सूचना मिली। अमेरिका अभी भी कोविड-19 मामलों और मौतों की सबसे अधिक संख्या के साथ दुनिया का सबसे प्रभावित देश बना हुआ है। शुक्रवार की सुबह तक देश में कुल 10 करोड़ 51 लाख 61 हजार 23 मामले दर्ज हुए और मौतों की संख्या 11 लाख 44 हजार 368 थी।

यूक्रेन संबंधी यूएनजीए सत्र में भारत ने की पाकिस्तान की आलोचना

जिनेवा। यूक्रेन पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में जम्मू-कश्मीर का जिक्र करने पर भारत ने पाकिस्तान की आलोचना की। भारत ने पाकिस्तान के इस उकसावे को अफसोसजनक और गलत जगह की गई बात करार दिया तथा आतंकवादियों को पनाहगाह मुहैया कराने के पाकिस्तान के पिछले रिकॉर्ड का जिक्र किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में काउंसलर प्रतीक माथुर ने कहा ?कि मैं आज इस मंच पर कहना चाहता हूं कि भारत इस बार पाकिस्तान के दुष्ट उकसावे का जवाब नहीं देने का विकल्प चुनता है। हमारी पाकिस्तान के प्रतिनिधि को सलाह है कि 'उत्तर के अधिकार' के तहत हमारे द्वारा अतीत में दिए कई जवाबों को देखें। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के दूत मुनीर अकरम ने आपातकालीन विशेष सत्र के दौरान यूक्रेन पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में मतदान के दौरान अपनी बात करते हुए जम्मू-कश्मीर का जिक्र किया, जिसके बाद माथुर ने उत्तर देने के अधिकार का इस्तेमाल किया। माथुर ने कहा ?कि पाकिस्तान को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए जिसका आतंकवादियों को पनाह देने का पुराना रिकॉर्ड रहा है और वह बेधड़क ऐसा करता है। दो दिन की गहन वार्ता के बाद हम सभी इस बात पर सहमत हुए हैं कि शांति के मार्ग पर चलकर ही संघर्ष की स्थिति से निपटा जा सकता है। ऐसे में यह गलत समय पर की गई बात है।

उत्तर कोरिया ने क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया

सियोल। उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को कहा कि उसने एक दिन पहले अपने पूर्वी तट पर लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया। बाद में दक्षिण कोरियाई सेना ने भी इसकी पुष्टि की। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने कहा कि इन परीक्षणों का उद्देश्य हथियारों का संचालन करने वाली इकाई की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमताओं तथा मिसाइलों की विश्वसनीयता की पुष्टि करना था। यह परीक्षण ऐसे समय में किया गया, जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया के परमाणु खतरों से निपटने की अपनी तैयारी मजबूत करने के उद्देश्य से वाशिंगटन में एक अभ्यास किया। प्योंगयांग की एक न्यूज एजेंसी बताया कि उत्तरपूर्वी तट से छोड़े जाने के बाद चार मिसाइलों ने करीब तीन घंटे तक उड़ान भरी और यह दिखाया कि ये 2,000 किलोमीटर दूर तक मार करने में सक्षम हैं।

वर्तमान में पृथ्वी पर 41 जलवायु फीडबैक लूप

-नए अध्ययन ने उड़ाए वैज्ञानिकों के होश

वाशिंगटन । 'खतरनाक' फीडबैक लूप के कारण पृथ्वी की जलवायु स्थायी परिवर्तन के कगार पर खड़ी हो सकती है। यह खुलासा हुआ है अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों के नए शोध में। इसमें कहा गया है कि पृथ्वी पर वर्तमान में 41 जलवायु फीडबैक लूप हैं, जिनमें से 27 वैश्विक तापमान में वृद्धि के लिए जिम्मेदार हैं। वैज्ञानिकों ने अध्ययन के दौरान बड़ी संख्या में जलवायु परिवर्तन के फीडबैक लूप को पाकर आश्चर्य व्यक्त किया। बता दें कि जलवायु फीडबैक लूप एक चक्रीय श्रृंखला प्रतिक्रियाएं हैं, जो तब होती हैं जब एक परिवर्तन से और परिवर्तनों को बल मिलता है और जो होने वाले परिवर्तनों की अपनी साइकिल को दोहराता रहता है। इनमें से कुछ फीडबैक लूप ग्लोबल वार्मिंग को कम करते हैं, लेकिन अन्य इसे बढ़ाते हैं। फीडबैक लूप के उदाहरण के लिए आर्कटिक की बर्फ को लें। बढ़ते तापमान के कारण समुद्र की बर्फ पिघल जाती है, जिससे समुद्र के गहरे पानी का पता चलता है। चूंकि पानी की अंधेरी सतहें बर्फ जैसी सफेद सतहों की तुलना में अधिक गर्मी को अब्सॉर्ब करती हैं, जिससे समुद्र गर्म होता है और अधिक बर्फ पिघलती है। इससे एक फीडबैक लूप जन्म लेता है। जानकारी के मुताबिक जर्मनी में ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी, एक्सेटर यूनिवर्सिटी और पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च सहित संस्थानों के अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों के एक समूह ने 41 जलवायु फीडबैक लूप की पहचान करने के लिए जलवायु साहित्य पर काम किया। एक अध्ययन के अनुसार, इनमें से 27 वैश्विक तापमान को बढ़ा रहे हैं, जबकि सिर्फ सात ही जलवायु संकट की गति को धीमा करने में मदद कर रहे हैं। अध्ययन के अनुसार, जलवायु प्रतिक्रिया चक्र अप्रत्यक्ष रूप से एक-दूसरे को प्रभावित कर सकते हैं, परस्पर परिवर्तनों का एक जटिल जाल बना सकते हैं जो जलवायु संकट के प्रभावों को तेज कर सकते हैं।

आंख के आंसू से कोविड वायरस का पता लगाया

-अमेरिका के शोधकर्ताओं की टीम का दावा

सैन फ्रांसिस्को । ओकुलर स्वैब द्वारा लिए गए आंसुओं के सैंपल से कोविड-19 के कोरोना वायरस का पता लगाया जा सकता है। यह कहना है अमेरिका के शोधकर्ताओं की एक टीम का। अध्ययनकर्ता टीम के अनुसार, शोधकर्ताओं ने अस्पताल में भर्ती मरीजों के पारंपरिक तरीकों से बीमारी का पता चलने वाले नमूनों का विश्लेषण करते हुए इसका पता लगाया है। 18.2 प्रतिशत नमूनों में सार्स -कोव-2 मौजूदगी का पता चला था, इसके आधार पर शोधकर्ताओं ने बताया कि ये कोविड के पारंपरिक जांच स्वैबिंग विधि का विकल्प हो सकती है, जो प्राय: बहुत ही अप्रिय है। लेखक लुइज़ फर्नांडो मंज़ोनी लौरेनकोन ने बताया, 'शुरुआत में हमने रोगियों को असुविधा दिए बिना ही नमूनों को इकट्ठा किया। नाक और नासॉफिरिन्जियल स्वैबिंग न केवल अप्रिय है, बल्कि अक्सर गलत तरीके से भी किया जाता है। नाक सेप्टम विचलन वाले लोगों के लिए, यह एक समस्या पैदा कर सकती है।' उन्होंने बताया कि अध्यन के लिए 61 मरीजों को चुना गया था, उनमे से आरटी-पीसीआर के नासॉफिरिन्जियल स्वैब जांच में 33 कोविड पॉजिटिव पाए गए थे जबकि 28 के रिपोर्ट नेगेटिव थे। इन कुल मरीजों के आंसू का परीक्षण किया गया था।

पेरिस में यूक्रेन पर रुसी हमले के एक साल होने पर इफिल टावर पर नजर आ रही यूकेनी झंडे के रंग वाली नीली और पीली रोशनी।

ब्रिटेन में सब्जियों, फलों का अभाव, सुपरमार्केट में खरीद की सीमा तय

लंदन। ब्रिटेन में खराब मौसम और यूक्रेन-रूस युद्ध के कारण सब्जियों और फलों की आपूर्ति प्रभावित होने से कुछ प्रमुख सुपरमर्केट ने इनकी खरीद की सीमा तय कर दी है। ब्रिटिश सरकार ने बृहस्पतिवार को आगाह किया कि यह स्थिति महीने भर भी चल सकती है। टमाटर, मिर्च या शिमला मिर्च, खीरा, ब्रोकली, फूलगोभी और रसभरी का उत्पादन सीमित रह गया है। इससे एक ग्राहक के लिए खरीद सीमा तय की गई है। इस कमी का कारण दक्षिणी यूरोप और अफ्रीका में खराब मौसम के साथ-साथ ब्रिटेन और नीदरलैंड में महंगी बिजली के कारण प्रतिबंधित हुई ग्रीनहाउस खेती को माना गया है। संसद में एक सवाल के जवाब में पर्यावरण मंत्री थेरेसे कॉफी ने बताया, फ़हमारा अनुमान है कि यह स्थिति अगले दो से चार सप्ताह तक जारी रह सकती है।' उन्होंने कहा, 'यह महत्वपूर्ण है कि हम कोशिश करें और सुनिश्चित करें कि हमें कोई वैकल्पिक स्रोत मिल जाए।' मंत्री ने कहा कि इस संकट से उबरने और भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए उनका विभाग खुदरा वितरकों से बातचीत कर रहा है। विपक्षी लेबर पार्टी ने जनता की थाली से मूलभूत खाद्य वस्तुओं की कमी के मुद्दे को उठाया।

एशिया बनाम यूरोप-अमेरिका होता दिख रहा रूस- यूक्रेन युद्ध !

- भारत-चीन लगातार कर रहे शांति की अपील

-जर्मनी, फ्रांस, अमेरिका व ब्रिटेन कर रहे रूस का विरोध

जिनेवा (एजेंसी)। जर्मनी, फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश एकतरफा रूस का विरोध कर रहे हैं तो वहीं भारत और चीन लगातार शांति की अपील कर रहे हैं। दोनों ही देशों ने रूस की खुलकर आलोचना करने से परहेज किया है, लेकिन शांति की अपील भी की है। एक तरफ पश्चिमी देश रूस को पीछे हटकर शांति बहाल करने की बात कर रहे हैं तो भारत और चीन ने रूस के सुरक्षा हितों का भी ख्याल रखने की बात करते हुए शांति प्रस्ताव दिए हैं। इस तरह यह पूरा मामला एशिया बनाम यूरोप-अमेरिका होता दिखा है।

हाल ही में व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी देशों की पाबंदियों का जिक्र करते हुए कहा था कि अब हम एशियाई बाजार पर फोकस करेंगे। उन्होंने कहा था कि लालची और स्वार्थी पश्चिमी देशों की बजाय एशिया पर हमारा फोकस रहेगा। उनकी इस टिप्पणी को भारत और चीन जैसे देशों के लिए संकेत माना गया था। वहीं अब भारत और चीन ने एक बार फिर से रूस को ताकत दी है।

संयुक्त राष्ट्र में युद्ध की बरसी से ठीक पहले यूक्रेन युद्ध को रोकने का प्रस्ताव पारित किया गया है। इसमें बिना शर्त रूस से पीछे हटने को कहा गया है। संयुक्त राष्ट्र से यह प्रस्ताव बड़े बहुमत से पारित हो गया है, लेकिन भारत और चीन ने गैरहाजिर रहकर एक तरह से रूस को ही ताकत दी है। यूएन के 193 सदस्यों में से 141 मेंबर्स ने प्रस्ताव के समर्थन में वोट दिया। वहीं 7 ने इसका विरोध किया है, जिनमें खुद रूस और उसका पड़ोसी देश बेलारूस शामिल है। इसके अलावा उत्तर कोरिया, माली, निकारागुआ और सीरिया ने भी प्रस्ताव का विरोध किया है। यही नहीं 32 देश मतदान से दूर ही रहे, जिनमें भारत और चीन शामिल हैं। अब तक भारत ने संयुक्त राष्ट्र में रूस के खिलाफ पेश किए गए प्रस्तावों से दूरी ही बनाई है। हालांकि पीएम नरेंद्र मोदी कई बार यह कह कर युद्ध समाप्ति की अपील कर चुके हैं कि आज का दौर युद्ध का नहीं, बल्कि शांति का है।

चीन ने रूस और यूक्रेन से शांति वार्ता की अपील भी की है। चीन ने कहा कि दोनों देशों को बातचीत करनी चाहिए और हर प्रयास हो कि न्यूक्लियर हथियारों का इस्तेमाल न किया जाए। चीन के विदेश मंत्रालय का कहना है कि सभी देशों को कोशिश करनी चाहिए कि यूक्रेन और रूस बातचीत की मेज पर आएं। व्लादिमीर पुतिन कई बार जंग में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी भी दे चुके हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन एक मार्च को आएंगे भारत

-जी-20 के विदेश मंत्रियों की बैठक में करेंगे शिरकत

वाशिंगटन (एजेंसी) अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन जी-20 के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए अगले हफ्ते भारत की यात्रा करेंगे और अमेरिका की ओर से मजबूत भागीदारी की पुष्टि करने के लिए वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। भारत ने पिछले साल एक दिसंबर को जी-20 की अध्यक्षता संभाली थी। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने गुरुवार को कहा कि ब्लिंकन जी-20 के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए एक मार्च को नई दिल्ली जाएंगे।

जी-20 की बैठक में बहुपक्षवाद को मजबूत करने तथा खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा पर सहयोग बढ़ाने, सतत विकास, मादक पदार्थ के खात्मे, वैश्विक स्वास्थ्य, मानवीय सहायता और आपदा राहत तथा लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। प्राइस ने कहा कि ब्लिंकन हमारी मजबूत भागीदारी की पुष्टि करने के लिए भारत सरकार के अधिकारियों और नागरिक समाज के सदस्यों से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्री तीन मार्च तक भारत में रहेंगे।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन 28 फरवरी से दो मध्य एशियाई देशों कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान की यात्रा के बाद भारत पहुंचेंगे। वह मध्य एशिया के 5 देशों के प्रतिनिधियों के साथ 'सी5प्लस1 मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेंगे। इसमें कजाकिस्तान, किर्गिस गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के बीच आर्थिक, ऊर्जा, पर्यावरणीय तथा सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर बातचीत की जाएगी।

पाक में तीन हफ्तों का बचा विदेशी मुद्रा भंडार

- आईएमएफ से मिलने वाले फंड की राह में बाधा बना चीन!

-कई बैंकों के साथ विवादों में फंसा चीन

-पाक की जनता छूट पर सस्ता खाना खरीदने के लिए बेहाल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की जनता इन दिनों छूट पर मिलने वाला सस्ता खाना खरीदने के लिए बेहाल है। देश में महंगाई 48 सालों में अपने चरम स्तर पर है और बिजली संकट ने हालात बेकाबू कर दिए हैं। पाकिस्तान इस समय वहां पर है, जहां से लौटना उसके लिए काफी चुनौतीपूर्ण है। मुद्रा संकट से लेकर मानवाधिकार और राजनीतिक संकट ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। विदेशी मुद्रा भंडार अब इस स्तर पर जहां से सिर्फ तीन हफ्तों का ही आयात किया जा सकता है। दशकों में पहली बार देश इतनी विकट स्थिति में है कि हालात श्रीलंका और घाना की तरह हो गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष यानी आईएमएफ की तरफ से पाकिस्तान को थोड़ी-बहुत मदद की उम्मीद थी। यह देश आईएमएफ से पहले भी 22 बार कर्ज ले चुका है। ऊर्जा की कीमतें आसमान पर हैं और दुनिया की अर्थव्यवस्था भी मंदी की स्थिति में है। चीन इस मुल्क का सबसे अच्छा देश है और इसने सबसे ज्यादा कर्ज दिया हुआ है। मगर अब यह भी कई बैंकों के साथ विवादों में फंसा हुआ है।

विशेषज्ञों की मानें तो हर किसी को एक घाटे का सौदा करना होगा। यह तो नहीं हो सकता कि आईएमएफ से फंड लिया जाए और फिर इसे चीनी कर्ज चुकाने में खर्च कर दिया जाए। सरकार की तरफ से तीन अरब डॉलर वाले विदेशी मुद्राभंडार को बचाने के लिए आयात पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। ऐसे में कई कंटेनर्स बंदरगाहों पर फंसे हैं।

पश्चिमी शक्तियां यूक्रेन का समर्थन बंद नहीं करतीं तो परमाणु कार्यक्रम को और तेज करेगा रूस : ब्लादिमीर पुतिन

-दुनिया की सबसे शक्तिशाली परमाणु मिसाइल सरमत तैनात करेगा रूस, पुतिन के ऐलान से पश्चिमी देशों में दहशत

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध का एक साल पूरा होने पर कहा है कि अगर पश्चिमी देश यूक्रेन का समर्थन करना बंद नहीं करते और उसे हथियारों की आपूर्ति जारी रखते हैं तो वह अपने परमाणु कार्यक्रम को और तेज करेगा। उन्होंने दुनिया की सबसे शक्तिशाली परमाणु मिसाइल तैनात करने का ऐलान किया है। ब्लादिमीर पुतिन ने कहा इस साल के अंत तक हम सरमत मिसाइल को रूसी सेना में तैनात कर देंगे। उनके इस ऐलान से पश्चिमी देशों में परमाणु युद्ध की दहशत और ज्यादा बढ़ गई है। आरएस-28 सरमत लिक्विड फ्यूल से चलने वाली रूस की सबसे ताकतवर मिसाइलों में से एक मानी जाती है।

पश्चिमी विश्लेषकों ने इस मिसाइल को शैतान-2 का नाम दिया है। पुतिन ने 2018 में पहली बार इस मिसाइल को दुनिया के सामने पेश किया था। पुतिन ने क्रेमलिन से जारी वीडियो संदेश में कहा कि हम पहले की तरह न्यूक्लियर ट्रायड को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। इस साल सरमत मिसाइल सिस्टम के पहले लॉन्चर को युद्धक ड्यूटी पर तैनात किया जाएगा। उन्होंने सोवियत काल में लाल सेना दिवस के रूप में प्रसिद्ध डिफेंडर ऑफ द फादरलैंड डे के अवसर पर रूसी नागरिकों को बधाई भी दी। पिछले जून में, पुतिन ने भी कहा था कि मिसाइल को 2022 के अंत तक तैनात किया जाएगा। यूक्रेन पर आक्रमण का आदेश देने के एक साल बाद, पुतिन ने संकेत दिया है कि वह परमाणु हथियारों के नियंत्रण को मुक्त करने की प्रक्रिया तेज कर रहे हैं। इसमें परमाणु परीक्षण को फिर से शुरू करने की बात भी शामिल है। उनका कहना है कि अगर पश्चिमी शक्तियां यूक्रेन के समर्थन से पीछे नहीं हटती हैं तो रूस अपने परमाणु कार्यक्रम को और ज्यादा तेज करेगा।

गुरुवार को अपने संबोधन में पुतिन ने यह भी कहा कि रूस हवा से चलने वाली हाइपरसोनिक किंजल मिसाइल सिस्टम का बड़े पैमाने पर उत्पादन जारी रखेगा और जिरकॉन हाइपरसोनिक मिसाइलों की बड़े पैमाने पर आपूर्ति शुरू करेगा। यह रूस की दो सबसे शक्तिशाली मिसाइले हैं, जिन्हें दुनिया की सबसे तेज मिसाइलों में गिना जाता है। अमेरिका के पास कोई भी ऐसा एयर डिफेंस नहीं है, जो रूस की इन दोनों मिसाइलों को रोक सके। पुतिन ने यह भी कहा कि रूसी नौसेना बोरेई-ए क्लास की परमाणु शक्ति संचालित पनडुब्बी परियोजना अलेक्जेंडर-3 को अपनाने के लिए तैयार है। रूसी नौसेना की शक्ति बढ़ाने के लिए इस परियोजना के तीन और क्रूजर को शामिल किया जाएगा।

अमेरिका का दावा है कि रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के यूक्रेन दौरे से ठीक पहले सरमत मिसाइल का परीक्षण किया था, हालांकि वह विफल रहा। रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस रिपोर्ट पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। सरमत 35 मीटर लंबी मिसाइल है। पुतिन का दावा है कि यह मिसाइल रूस के दुश्मनों को दो बार सोचने पर मजबूर कर देगी। सरमत मिसाइल की रेंज 18000 किलोमीटर है। सरमत मिसाइल में 10 परमाणु वॉरहेड तैनात किए जा सकते हैं, जो दुश्मन के अलग-अलग ठिकानों को निशाना बनाने में सक्षम है। सरमत मिसाइल रूस के हाइपरसोनिक एवांगार्ड ग्लाइड व्हीकल को भी ले जा सकता है। यह व्हीकल हाइपरसोनिक स्पीड से यात्रा कर सकता है और मिसाइल डिफेंस को धोखा देने के लिए अप्रत्याशित मार्ग में उड़ान भर सकता है।

यूएनजीए में वोटिंग प्रक्रिया से भारत सहित 32 देशों ने बनाई दूरी

- भारत यूक्रेन की स्थिति पर चिंतित : रुचिरा कंबोज

जिनेवा (एजेंसी)। यूक्रेन में शांति बहाली को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासभा में लाए गए एक प्रस्ताव की वोटिंग प्रक्रिया के दौरान भारत शामिल नहीं हुआ। भारत ने सवाल किया कि क्या यूक्रेनी संघर्ष के एक साल बाद रूस और यूक्रेन दोनों के लिए दुनिया संभावित समाधान के पास कहीं भी थी? भारत के साथ 32 देश वोटिंग प्रक्रिया के दौरान अनुपस्थित रहे, जिसमें चीन भी शामिल है। 193 सदस्यीय महासभा में प्रस्ताव के पक्ष में 141 और विरोध में सात मत पड़े। प्रस्ताव का शीर्षक यूक्रेन में एक व्यापक, न्यायसंगत और स्थायी शांति था। यूक्रेन पर इस आपातकालीन विशेष सत्र में महासभा पिछले एक साल में छह बार मिल चुकी है। रूस ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन पर आक्रमण किया। आज इस युद्ध के एक साल पूरे हो गए। इस एक साल के दौरान संयुक्त राष्ट्र की महासभा, सुरक्षा परिषद और मानवाधिकार परिषद में यूक्रेन पर रूसी हमले की कई बार निंदा की गई और यूक्रेन की संप्रभुता, स्वतंत्रता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि जैसा कि महासभा यूक्रेनी संघर्ष के एक वर्ष को चिन्हित करती है, यह महत्वपूर्ण है कि हम खुद से कुछ प्रासंगिक प्रश्न पूछें। क्या हम दोनों पक्षों को स्वीकार्य संभावित समाधान के करीब हैं? क्या कोई भी प्रक्रिया, जिसमें दोनों पक्षों में से कोई भी शामिल नहीं है, कभी भी एक विश्वसनीय और सार्थक समाधान की ओर ले जा सकती है? क्या संयुक्त राष्ट्र प्रणाली और विशेष रूप से इसका प्रमुख अंग, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, 1945 के विश्व निर्माण के आधार पर वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए समकालीन चुनौतियों का समाधान करने के लिए अप्रभावी नहीं हो गया है?

रुचिरा कंबोज ने जोर देकर कहा कि भारत यूक्रेन की स्थिति पर चिंतित है। संघर्ष के परिणामस्वरूप कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी और लाखों लोग बेघर हो गए, जिन्हें पड़ोसी देशों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमले की खबरें भी बहुत चिंताजनक हैं। भारत यूक्रेन पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों से दूर रहा है और लगातार संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और राज्यों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की आवश्यकता को रेखांकित करता रहा है।

भारत ने यह भी आग्रह किया है कि शत्रुता को तत्काल समाप्त करने और बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर तत्काल वापसी के लिए सभी प्रयास किए जाएं। कंबोज ने कहा कि भारत ने लगातार इस बातचीत की वकालत की है कि मानव जीवन की कीमत पर कभी भी कोई समाधान नहीं निकाला जा सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बयान यह युद्ध का युग नहीं हो सकता है को रेखांकित करते हुए कहा कि शत्रुता और हिंसा का बढ़ना किसी के हित में नहीं है। इसके बजाय बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर तत्काल वापसी आगे का रास्ता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुकेश चंद्रशेखर की ईडी रिमांड 3 दिन बढ़ीं

नई दिल्ली । मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुकेश चंद्रशेखर की ईडी रिमांड 3 दिन के लिए बढ़ा दी गई है। ईडी ने आरोप लगाया कि उन्हें दीपक रामदानी और कुछ जेल अधिकारियों को किए भुगतान के बारे में जानकारी चाहिए। ईडी को सह-आरोपी दीपक रामदानी की 5 दिन की रिमांड भी मिली है। सुकेश चंद्रशेखर ने कथित तौर पर जपना से 3.5 करोड़ रुपये की ठगी की थी और वादा किया था कि वह उस पैसे का इस्तेमाल उसके पति को जेल से छुड़ाने के लिए करेगा। जपना के पति रेलिगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड (आरएफएल) मामले में धन की कथित हेराफेरी के सिलसिले में जेल में है। चंद्रशेखर ने मालविंदर के भाई शिविंदर सिंह की पत्नी के साथ भी कथित तौर पर धोखाधड़ी की थी। इससे पहले गुरुवार को दिल्ली कारागार विभाग ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर के सेल पर छापा मारकर एक लाख रुपये से अधिक की चप्पल और दो महंगी जींस बरामद की है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार सुकेश चंद्रशेखर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धाराओं के तहत शहर की मंडोली जेल में बंद है। छापेमारी के एक सीसीटीवी वीडियो में जेलर दीपक शर्मा और जयसिंह के सामने कथित ठग सुकेश को रोते हुए दिखाया गया है। फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं।

लखनऊ के क्रिकेटर से आईपीएल में ब्रेक दिलाने के नाम पर की गई पांच लाख रुपए की ठगी

लखनऊ। लखनऊ के क्रिकेट खिलाड़ी अभिलेख सिंह से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में ब्रेक दिलाने में मदद करने के नाम पर पांच लाख रुपए की ठगी की गई है। पीड़ित ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात के बाद गौतमपल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। लखनऊ के स्पोर्ट्स कॉलेज से पासआउट अभिलेख ने अपनी प्राथमिकी में कहा है कि 2019 में केडी सिंह बाबू स्टेडियम में एक अभ्यास मैच के दौरान उसकी मुलाकात कृष्ण कुमार झा से हुई थी। उसने पहले मुझे आईपीएल में खेलने का लालच दिया और 17 लाख रुपए की मांग की। मैंने इतनी बड़ी राशि का भुगतान करने में असमर्थता व्यक्त की। इसके बाद उसने मुझे एक राज्य के लिए खेलने के लिए 5 लाख रुपए के एक और सौदे में फंसाया। किसी तरह, मैंने अपने माता-पिता से पैसे लेने में कामयाबी हासिल की और फिर चेक के माध्यम से भुगतान किया। मुझे प्रतीक्षा के लिए बोला गया और मैंने कुछ दिनों के लिए अरुणाचल प्रदेश में एक अतिरिक्त खिलाड़ी के रूप में डेरा डाला, लेकिन टीम में खेलने का मौका नहीं मिला, जो आईपीएल खेलने के लिए एक आवश्यकता है। बाद में, जब पीड़ित को खेलने का कोई मौका नहीं मिला, तो उसने अपने पैसे वापस मांगे, जिस पर उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। एडिशनल डीसीपी, पुलिस मुख्यालय, अखिलेश सिंह ने कहा कि आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, हमने आरोपी का पता लगाने के लिए साइबर सेल की मदद ली है।

हिमाचल प्रदेश में 25 फरवरी से बर्फबारी की संभावना, मौसम विभाग ने जारी किया पूर्वानुमान

शिमला । हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर से मौसम का मिजाज बदलने के संकेत मिले हैं। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से प्रदेश में 25 फरवरी से बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई जा रही है। पश्चिमी विक्षोभ का ज्यादा असर 26 व 27 फरवरी को प्रदेश भर में देखने को मिलेगा। प्रदेश के मैदानी जिलों में बारिश जबकि ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने की चेतावनी दी गई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के वैज्ञानिक संदीप कुमार शर्मा ने बताया 25 फरवरी से हिमाचल प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इस कारण प्रदेश के ऊंचाई वाले जिलों लाहौल स्पीति, किन्नौर और चंबा जिलों में बर्फबारी हो सकती है। अन्य जिलों में बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान तापमान में भी हल्की गिरावट हो सकती है जबकि शुक्रवार को मौसम साफ रहेगा। 27 फरवरी के बाद भी मौसम के साफ रहने का अनुमान जताया गया है, जिससे दिन के तापमान में वृद्धि होगी।

संजय राउत की मुश्किलें बढ़ने वाली, बीड में मामला दर्ज

मुंबई । शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता सांसद संजय राउत की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। उनके खिलाफ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के बेटे श्रीकांत शिंदे को बदनाम करने के आरोप में बीड सिटी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज हुआ है। आगे की जांच चल रही है। बता दें, राउत ने पुलिस कमिश्नर को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत के ऊपर गंभीर आरोप लगाया है। राउत ने कहा है कि शिंदे ने उन्हें मारने के लिए ठाणे के एक गुंडे राजा ठाकुर को सुपारी दी है। यह पत्र उन्होंने राज्य के गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी लिखा है। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य का कहना है कि मामले को गंभीरता से लेना चाहिए। दुर्भाग्य है कि इन विद्रोही विधायकों पर बिल्कुल भी लगाम नहीं लग पा रही है। वहीं, राउत को आरोपों को शिंदे गुट ने खारिज कर दिया। विधायक संजय शिरसाट ने कहा कि यह महज एक स्टंट है। उनकी बातों में कोई सच्चाई नहीं है। पूरे मामले में सीएम शिंदे की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर उसके अनुसार कार्रवाई होगी।

स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव में बीजेपी पार्षदों ने लगाए मोदी-मोदी के नारे

नई दिल्ली । दिल्ली एमसीडी में स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव को लेकर आप और भाजपा के बीच रस्साकशी हो रही है। अब खबर हैं कि शुक्रवार सुबह साढ़े 10 बजे से शुरू हो गई है। सदन में फिर से भाजपा और आप पार्षदों को जोरदार हंगामा देखने को मिल रहा है। वहीं, बीजेपी पार्षदों में हंगामे के बीच मोदी-मोदी के नारे लगाना शुरू कर दिया है, जबकि आप के पार्षद मेयर से आग्रह करते हुए भाजपा का विरोध कर रहे हैं। दिल्ली की महापौर शैली ओबेरॉय ने सदन की कार्यवाही को शुरू करते हुए सभी से एक-एक कर वोट डालने का का आग्रह किया है। आप से भाजपा में शामिल हुए पार्षद पवन सहरावत ने स्टैंडिंग कमेटी के लिए अपना वोट डाल दिया है। सहरावत के वोट देने के दौरान भाजपा पार्षदों ने खड़े होकर बजाई तालियां और उनका हौसला बढ़ाया। सहरावत के भाजपा में आने से भाजपा को नरेला जोन जीतने में राह आसान हो गई है। इस जोन में आप के पास 10 सदस्य हैं जबकि भाजपा के पास 6 सदस्य हैं।

तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर टेकऑफ के दौरान हुआ हादसा

-बाल-बाल बची 182 पैसेंजर्स की जान

तिरुवनंतपुरम । केरल के तिरुवनंतपुर एयरपोर्ट पर शुक्रवार को अफरातफरी का माहौल हो गया। दरअसल, कालीकट से दम्मम जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट को तकनीकी कारणों से डायवर्ट कर दिया गया। फिर तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर विमान की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। इसके बाद फौरन तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पूरी तरह से इमरजेंसी घोषित कर दी गई थी। फ्लाइट में हाइड्रोलिक उपकरण खराब होने के कारण उस डायवर्ट कर दिया गया। हवाई अड्डे के सूत्रों के मुताबिक फ्लाइट दोपहर 12.15 बजे एयरपोर्ट पर उतरी। सूत्रों का कहना है कि 182 यात्रियों को लेकर जा रही फ्लाइट का पिछला हिस्सा कालीकट अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सुबह उड़ान भरने के दौरान रनवे से टकरा गया था। बताते है कि सुरक्षित उतरने के लिए अरब सागर के ऊपर ईंधन निकालने के बाद विमान हवाई अड्डे पर उतरा। इस दौरान हवाई अड्डा प्रबंधन ने पूर्ण आपात स्थिति घोषित कर दी थी। जानकारी के मुताबिक एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट को एयरपोर्ट पर दोपहर 12.15 बजे सुरक्षित लैंड किया गया था। सूत्रों के अनुसार कलीकट से टेकऑफ के दौरान विमान के पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया था। इसके बाद फ्लाइट के पायलटों ने सुझबूझ दिखाकर पहले फ्लाइट के ईंधन को डंप किया गया फिर विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

लोकतंत्र-संविधान पर मंडरा रहा खतरा, राजनीतिक गतिविधियों पर भी की जा रही है पहरेदारी: खड़गे

रायपुर (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संचालन समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि महाधिवेशन विधानसभा चुनावों और उसके बाद 2024 के आम चुनाव की पृष्ठभूमि में हो रहा है। यह हमारे सामने एक बड़ी चुनौती है और एक बड़ा अवसर भी है। उन्होंने कहा आज देश के सामने कई गंभीर चुनौतियां खड़ी हैं, लोकतंत्र और संविधान पर खतरा मंडरा रहा है, संसदीय संस्थाएं भी गंभीर संकट से जूझ रही हैं। खड़गे ने संचालन समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि कार्य समिति के चुनाव के संदर्भ में सब खुलकर अपनी बात रखिए और सामूहिक तौर पर फैसला लीजिए, आप सबकी जो राय बनेगी, वो मेरी और सबकी राय होगी। उन्होंने कहा कि 1885 से अब तक कांग्रेस के 138 साल के इतिहास में 84 अधिवेशन हो चुके हैं। सौ साल बाद फिर से उसी संकल्प और भाव की जरूरत है। ये उनके प्रति हमारी सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी।

खड़गे ने कहा कि कांग्रेस के हर महाधिवेशन में कुछ अहम फैसले हुए हैं, जिससे हमारा संगठन आगे बढ़ा। उन्होंने कहा कि कुछ अधिवेशन मील के पत्थर बने। वहां होने वाले फैसले आज भी इतिहास में याद किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस मौके पर मैं ये बात रखना भी जरूरी समझता हूं कि राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा से देश भर में जिस ऊर्जा भरी और महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक मुद्दों पर जिस तरह जागरूकता फैलायी, उस जोश को हमें बनाए रखना है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि छत्तीसगढ़ के इतिहास में कांग्रेस का यह महाधिवेशन आधा दर्जन राज्यों के विधान सभा चुनावों और उसके बाद 2024 के आम चुनावों की पृष्ठभूमि में हो रहा है। हमारे सामने ये एक बड़ी चुनौती भी है और एक बड़ा अवसर भी है। उन्होंने कहा कि हम जो फैसले लेंगे वो कन्याकुमारी से कश्मीर तक हमारी पार्टी के भविष्य का एक मजबूत आधार बनेंगे। उन्होंने नेताओं से कहा कि वो बातें रखें जो जनता के मुद्दों से सीधे जुड़ी हों। और जिससे जमीनी स्तर से जुड़े साथियों में ठोस संदेश संकेत जाये।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हमें सामूहिक तौर पर यहां बहुत से फैसले लेने हैं, जिन पर हमारी पार्टी और हम सबका भविष्य जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा हमारा महाधिवेशन ऐसे दौर में हो रहा है, जब देश के सामने कई गंभीर

चुनौतियां खड़ी हैं। लोकतंत्र और संविधान पर खतरा मंडरा रहा है। संसदीय संस्थाएं भी गंभीर संकट से जूझ रही हैं। राजनीतिक गतिविधियों पर भी पहरेदारी हो रही है। इस नाते हमें बहुत सोच विचार कर तथ्यों के साथ अपने विचारों को आगे बढाना है क्योंकि इस महाधिवेशन पर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं।

मध्य प्रदेश में बोले अमित शाह, मोदी सरकार आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों और गरीबों की सरकार, सबके विकास के लिए करते हैं काम

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज मध्य प्रदेश के दौरे पर हैं। सतना में उन्होंने शबरी माता जन्म जयंती के अवसर पर ÷कोल जनजाति महाकुंभ÷ को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में कोल जनजाति का योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित है। उन्होंने कहा कि अंत्योदय... समाज के गरीब से गरीब व्यक्ति के लिए समाज में सम्मान के साथ जीने का रास्ता बनाना, यही भाजपा सरकारों की पहचान है। उन्होंने कहा कि एक जमाना था जब कांग्रेस की सरकार थी, गरीबों के घर में शौचालय नहीं था। उन्होंने दावा किया कि नरेंद्र मोदी ने 10 करोड़ गरीबों के घर में शौचालय बनवाए और इसमें से भी सबसे ज्यादा मेरे आदिवासी भाई-बहनों के घर में बने।

शाह ने कहा कि हम सबके विकास के लिए काम करते हैं। अंत्योदय भाजपा का आदर्श वाक्य

है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के गरीब लोगों को सम्मानित जीवन प्रदान करना हमारा लक्ष्य और प्रतिबद्धता है। मोदी जी ने कहा था कि उनकी सरकार आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों और गरीबों की सरकार है। उन्होंने अपनी सरकार के प्राथमिक उद्देश्यों का संदेश भेजा था। और आज 9 साल बाद हम जमीन पर उनकी प्रतिबद्धताओं को पूर्ण रूप से साकार होते देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोल समाज के सभी भाइयों-बहनों, मैं आपको 1831 का कोल विद्रोह भी याद दिलाना चाहता हूं। यह भाजपा की ही सरकार है जिसने जनजातियों द्वारा किए विद्रोह को स्थान देते हुए स्वतंत्रता संग्राम समारक बनाने का निर्णय लिया।

गृह मंत्री ने कहा कि मोदी जी ने 200 करोड़ रुपये के खर्च से 10 स्मारक बनाने का निर्णय लिया और इन सभी में कोल विद्रोह का जिक्र भी सभी स्मारकों में समाहित किया गया है। उन्होंने कहा कि मोदी जी की सरकार ने एक लाख रुपये तक की मुफ्त चिकित्सा सुविधा प्रदान की है। आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को 5 लाख। इससे पहले किसी और सरकार ने ऐसा नहीं किया। इसके अलावा, कोविड के लिए टीकों की मुफ्त खुराक और अन्य आवश्यक स्वास्थ्य लाभ देशवासियों के लिए वरदान साबित हुए हैं। देश में पिछले 5 साल से 80 करोड़ से ज्यादा गरीबों को मुफ्त राशन मिल रहा है।

आरएसएस नेता ने कहा पड़ोसी धर्म निभा कर भारत पाकिस्तान को गेंहू दे सकता

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल के बयान को लेकर विवाद बढ़ा गया है। दावा है कि पाकिस्तान की आर्थिक तंगी पर संघ ने मोदी सरकार को पड़ोसी धर्म निभाने की सलाह दी है। हालांकि सह सरकार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल ने पाकिस्तान की मदद की बात जरूर कही लेकिन सरकार को कोई सलाह नहीं दी। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने बयान में पाकिस्तान को जबरदस्त तरीके से फटकार भी लगाकर कहा कि उसने ही हमसे चार पांच बार युद्ध छेड़ा है। डॉ. कृष्ण गोपाल फिल्म प्रोड्यूसर इकबाल दुर्रानी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोले रहे थे। इस मौके पर संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार भी मौजूद रहे। इस दौरान डॉ. गोपाल ने विश्व को बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि पाकिस्तान हो या फिर अमेरिका या रूस हो, सभी भारत के लिए एक परिवार हैं। इसके साथ ही उन्होंने वसुधैव कुटुम्बकम् की भी बात कही। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि सभी सुखी हो, अमेरिका वाले भी सुखी हो पाकिस्तान वाले भी सुखी हो। आरएसएस के सह सरकार्यवाह ने कहा कि पाकिस्तान में 250 रुपये किलो रुपए आटा हो गया है। इससे हम सब दुखी हैं। उन्होंने कहा कि हम उन्हें कुछ भेज सकते हैं। भारत 25-50 लाख टन गेहूं पाकिस्तान को दे सकता है। लेकिन वह मांगते नहीं। उन्होंने कहा कि भारत के पास अच्छा भंडार है। भारत दे सकता है। अपनी जनता को भूखे मारने से बेहतर है कि मांगते। 70 साल पहले हम सब एक ही ही थे। उन्होंने कहा कि हालांकि पाकिस्तान चार-पांच बार हमसे झगड़ा कर चुका है। वहीं हर बार झगड़ा करता है। चाहे 48, हो 65 हो, 71 हो या कारगिल हो। लेकिन इसके बाद भी भारत के लोगों के मन में यह बात आई होगी कि अरे भैया आटा वहां 250 रुपये किलो हो गया है। 10-20 लाख टन गेहूं भिजवा दो।

नहीं होगा कांग्रेस वर्किंग कमेटी का चुनाव

-कांग्रेस राष्ट्रीय अधिवेशन शुरू

रायपुर (एजेंसी)। कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन शुरू हो गया है। राष्ट्रीय महाधिवेशन के पहले दिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़के की उपस्थिति में स्टीयरिंग कमेटी की बैठक हुई। बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बैठक का ब्यौरा देते हुए बताया कि कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) का चुनाव नहीं होगा। सर्वसम्मति से तय किया गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष सीडब्ल्यूसी नॉमिनेट करेंगे। जयराम रमेश ने बताया कि ढाई घंटे चली स्टियरिंग कमेटी की बैठक में खुलकर बातचीत हुई है। सभी सदस्यों ने अपनी बातें रखीं। कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्षों को सीडब्ल्यूसी में प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि पार्टी के नेता, सभी पीसीसी डेलीगेट्स इसका समर्थन करेंगे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी के स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में शामिल नहीं होने पर कहा कि बैठक में 45 सदस्य बैठे थे। गांधी परिवार से किसी तरह की जूम मीटिंग नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि प्लिनरी सेशन में पार्टी के संविधान में संशोधन के प्रस्ताव पर भी चर्चा होगी। लगभग 16 प्रावधानों में संशोधन और 32 नियमों में संशोधन पर प्लिनरी सेशन में चर्चा होगी। संशोधन में सबसे महत्वपूर्ण यह है कि दलित, आदिवासी, महिला, युवाओं का प्रतिनिधित्व पार्टी में तय किया जा रहा है।

जी-20 समिट में आने वाले सदस्यों की मेहमानावजी में जुटी दिल्ली पुलिस

-सुरक्षा यूनिट के 2000 पुलिसकर्मी को विशेष ट्रेनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने भारत में होने वाली जी-20 समिट की तैयारियों के मद्देनजर पुलिस अफसरों और जवानों को स्पेशल ट्रेनिंग दिलाने की शुरुआत कर दी है। फिलहाल सुरक्षा यूनिट के 2000 पुलिसकर्मी दिल्ली पुलिस एकैडमी में ट्रेनिंग ले रहे हैं। इसके बाद अलग-अलग यूनिट और जिलों के 4044 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस तरह से कुल 6044 पुलिसकर्मियों को ये स्पेशल ट्रेनिंग मिलेगी, जिसे रिफ्रेशर कोर्स का नाम दिया गया है।

जी-20 में 19 देश और यूरोपीय संघ शामिल है, जो दुनिया की अर्थव्यवस्था से संबंधित मुद्दों पर काम करता है। भारत पहली बार इसकी अध्यक्षता कर रहा है। इस कारण विदेशी मेहमानों के एयरपोर्ट से उतरने से लेकर आने-जाने के रास्ते में तैनात ट्रैफिक और पीसीआर स्टाफ, सिक्योरिटी में तैनात रहने वाले, इनके ठहरने और मीटिंग की जगहों पर तैनात पुलिसकर्मियों के लिए स्पेशल ट्रेनिंग प्रोग्राम तैयार किया गया है। इसका आगाज सुरक्षा यूनिट के 2000 जवानों के प्रशिक्षण से किया गया है।

दिल्ली पुलिस एकैडमी के डायरेक्टर विजय सिंह ने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में जी-20 समिट के दौरान ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों को मानवीय व्यवहार की ट्रेनिंग दी जाएगी। सॉफ्ट स्किल्स के तहत बातचीत करने और उस समझने का सलीका सिखाया जाएगा। अंग्रेजी बोलचाल में परफेक्ट किया जाएगा, ताकि विदेशी मेहमानों की बात को समझ सकें और उन्हें जवाब दे सकें। आकर्षक दिखने का कौशल बताया जाएगा, जिसमें खुद की पर्सनैलिटी के अलावा बढ़िया यूनिफॉर्म पहनने पर जोर होगा। इन पुलिसकर्मियों को दिल्ली के बारे में पूरी जानकारी दी जाएगी। राजधानी के ऐतिहासिक स्थलों के अलावा भौगोलिक और सांस्कृतिक ज्ञान से भी रू-ब-रू कराया जाएगा।

हम हिंसा चुनेंगे, खालिस्तान रहेगा: अमृतपाल सिंह

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के अजनाला में हुए बवाल के बाद तनाव जारी है। इसी बीच खालिस्तान समर्थक और वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह ने आगे भी हिंसा चुनने के संकेत दिए हैं। उन्होंने साफ कर दिया है कि खालिस्तान है। गुरुवार को अमृतपाल के समर्थक और पंजाब पुलिस के बीच झड़प हो गई थी। इधर, पुलिस भी अमृतपाल के करीबी तूफान सिंह की रिहाई के लिए तैयार हो गई है।

मीडिया से बातचीत में अमृतपाल ने कहा कि हिंसा इसलिए हुई, क्योंकि मेरे खिलाफ फर्जी एफआईआर दर्ज की गई थी। मैंने उन्हें कार्रवाई के लिए समय दिया था। एक मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति झूठे आरोप लगा रहा है। उन्होंने एफआईआर को मीडिया ट्रायल बताया है। सिंह ने कहा कि मैं अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं करने वाला हूं। मैं हिंसक नहीं हूं। यह मेरे दिमाग में नहीं है। मेरे खिलाफ साजिश की जा रही है।

अमृतपाल ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि मुझे भाजपा का समर्थन है और कुछ कहते हैं पाकिस्तान का है। मुझे केवल मेरे गुरु साहिबों का समर्थन है। मेरी संगत के अलावा मेरे पीछे कोई नहीं है। मैं राजनीति का हिस्सा नहीं हूं, लेकिन यह एफआईआर मीडिया ट्रायल का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद पवित्र नहीं है। लोकतंत्र के अलग विचार होने चाहिए। यह अमृतपाल से जुड़ा नहीं और खालिस्तान रहेगा। आप इसे नहीं दबा सकते।

मीडिया से बातचीत में अमृतपाल ने कहा कि

खालिस्तान के हमारे उद्देश्य को बुराई और वर्जित के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसे बौद्धिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए कि इसके भू-राजनीतिक लाभ क्या हो सकते हैं और इसके सिखों के लिए क्या लाभ हैं।

कहा जा रहा है कि अमृतपाल खुद को भिंडरावाले 2.0 की तरह दिखाने की कोशिश में है। इस पर उन्होंने कहा कि यह मेरे सामान्य कपड़े हैं। ये भिंडरावाले पर आधारित नहीं हैं। अमृतपाल ने कहा कि जब तक (प्रशासन) उनके लिए कोई विकल्प नहीं छोड़ता, वह और उनके समर्थक हिंसा का रास्ता नहीं चुनेंगे। उन्होंने कहा कि हम हिंसा चुनेंगे। मुझे पता है कि हिंसा हमें ज्यादा नुकसान पहुंचाएगी। मैं किसी भ्रम में नहीं हूं, लेकिन मैं यहां बैठकर खुद को उन्हें मारने नहीं दूंगा। पुलिस ने अमृतपाल के पूर्व सहयोगी वरिंदर सिंह की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की थी। वरिंदर ने आरोप लगाया था कि उन्हें अमृतपाल के लोगों ने हेडक्वार्टर के बाहर से अगवा कर लिया था और जल्लूपुर खेड़ा गांव ले जाया गया था। इसी गांव से अमृतपाल के संगठन का संचालन होता है। गुरुवार को वह अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ अजनाला तक विरोध प्रदर्शन के लिए निकले। खबर है कि प्रदर्शनकारी अजनाला पहुंचे और पुलिस के साथ झड़प की। पुलिस ने शांति की अपील की और प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड्स नहीं तोड़ने के लिए कहा। अधिकारियों ने जानकारी दी है कि झड़प के दौरान तीन पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

सुरेंद्र यादव के बयान पर भाजपा का चौतरफा हमला, रविशंकर प्रसाद बोले- नीतीश को कम से कम सेना की साख तो बचानी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के सहकारिता मंत्री सुरेंद्र प्रसाद यादव के एक बयान पर बवाल मचा हुआ है। सेना को लेकर उन्होंने आपत्तिजनक बयान दे दिया था। जिसके बाद अब भाजपा चौतरफा नीतीश सरकार पर हमलावर हो गई है। भाजपा साफ तौर पर कह रही है कि सुरेंद्र यादव को मंत्री पद पर बने बने रहने का अधिकार नहीं। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि नीतीश कुमार के मंत्री ने सेना के बारे में शर्मनाक और आपत्तिजनक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार के सीएम को क्या लगता है कि इस टिप्पणी के बाद देश खामोश हो जाएगा? इसके साथ ही प्रसाद ने कहा कि हमारी सेना के लिए आपत्तिजनक शब्द कहने वाले का नाम नहीं लेना चाहता।

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि मंत्री को अपने पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को कम से कम सेना की साख तो बचानी चाहिए। प्रसाद ने दावा किया कि बिहार के लोग राज्य में बदलाव चाहते हैं और वे हमारी पार्टी की ओर देख रहे हैं। हुंकार भरते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी 2025 में लोकसभा चुनाव और बिहार चुनाव दोनों जीतेगी। भाजपा के प्रदेश अद्यक्ष संजय जायसवाल ने कहा कि नीतीश जी, क्या आपने भारतीय सेना को 'हिजड़ों की फ़ौज' बताते हुए अपने बदजुबान मंत्री का बयान सुना, या हर बार की तरह इस बार भी आप कहेंगे कि 'हमें तो कुछ पता ही नहीं'। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के वीर जवानों को हिजड़ा बताना न तो हम बर्दाश्त करने वाले हैं और न ही बिहार की जनता। इससे पहले भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने साफ तौर पर कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने कैबिनेट से सुरेंद्र यादव को बर्खास्त करें। नित्यानंद राय ने साफ तौर पर कहा कि एक मंत्री के रूप में सुरेंद्र यादव का यह बयान आपत्तिजनक है। हमारी सेना बहादुरी के लिए जानी जाती है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सुरेंद्र यादव का मंत्री बने रहना नीतीश सरकार द्वारा हमारे सेना और जवानों का सीधा अपमान है। सुरेंद्र प्रसाद यादव ने अग्निवीर स्कीम की आलोचना करते हुए कहा था कि ठीक आज से सारे 8 साल के बाद देश का नाम हिजड़ों की फौज में आएगा। उन्होंने कहा कि सारे 8 साल के बाद जितना भी पुराना पुराना सेना है, यह सब रिटायर हो जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात विधानसभा में वित्तमंत्री कनुभाई देसाई ने 3.01 लाख करोड़ का बजट पेश किया

पुराने करों में कोई वृद्धि नहीं, बजट में सबसे अधिक 43651 करोड़ का आवंट शिक्षा विभाग को

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा के बजट सत्र का आज दूसरा दिन है। राज्य के वित्तमंत्री कनुभाई देसाई ने आज दूसरे दिन गुजरात का बजट पेश किया। गुजरात चुनाव में प्रचंड जीत के बाद मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्ववाली सरकार का यह पहला बजट है। वित्तमंत्री के तौर पर कनुभाई का यह दूसरा बजट है। गुजरात सरकार ने आज विधानसभा में रु 3.01 हजार करोड़ का बजट पेश किया। इस बार के बजट में 24 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की गई हैं। पिछले साल की तुलना में इस साल बजट में 57053 करोड़ की बढ़ोत्तरी की गई हैं। गुजरात सरकार के बजट में शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य जैसे विभागों के लिए महत्वपूर्ण घोषणा की है। गुजरात के बजट में सरकार ने विकास और सामान्य व मध्यम वर्ग राहत देनेवाली कई घोषणाएं की हैं। इस बजट में खास बात यह है कि करों के ढांचे में कोई भी वृद्धि नहीं की गई। राज्य में शिक्षा विभाग के लिए कुल 43651 करोड़ रूपए का आवंटन किया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए 15182 करोड़ का प्रावधान, एम्ब्युलैंस सेवाओं की क्षमता में वृद्धि और नई 198 एम्ब्युलैंस खरीदने के लिए रु 55 करोड़ करा प्रावधान है। महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए 6 हजार 64 करोड़ का आवंटन किया गया है। पंचायत, ग्राम, गृह निर्माण एवं ग्राम विकास विभाग के लिए 10743 करोड़ का प्रावधान किया गया है। श्रम एवं रोजगार विभाग के लिए रु 2538 करोड़ रूपए का आवंटन किया गया है। ऊर्जा एवं पेट्रोकैमिकल्स विभाग के लिए कुल 8738 करोड़ के प्रावधान किया गया है। शहरी विकास एवं शहरी गृह निर्माण विभाग के लिए रु 19685 करोड़ का प्रावधान किया गया है। बजट में आदिजाति विकास विभाग के लिए रु 3410 करोड़ रूपए, युवाओं को स्वरोजगार के लिए विभिन्न योजनाओं के लिए राज्य सरकार रु 500 करोड़ खर्च करेगी। अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक और आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति के लिए रु 334 करोड़ का प्रावधान किया गयाहै। राष्ट्रीय वृद्ध पैंशन योजना के लिए रु 1340 करोड़, दिव्यांग पैंशन योजना में 58 करोड़, संकट मोचन योजना के लिए रु 20 करोड़, दिव्यांग विवाह सहायता के लिए रु 7 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

बजट में प्रमुख घोषणाएं

•सबसे अधिक बजट शिक्षा विभाग को आवंटित किया गया हैं। सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के लिए 5580 करोड़ का प्रावधान किया गया हैं। वहीं आदिवासी विकास विभाग के लिए 3410 करोड़ का प्रावधान किया गया हैं।

•बजट के मामले में स्वास्थ्य विभाग दूसरे नंबर पर रहा जिसे अधिक बजट मिला हैं।

•बजट में ये भी ऐलान किया गया कि, गुजरात के अरवल्ली, छोटा उदेपुर, महिसागर और डांग जिलों में नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे।

•सरकार नगर पालिकाओं के बिजली बिलों का भुगतान करने में सहायता करेगी। नगरपालिकाओं को बिजली बिलों का भुगतान करने में मदद करने के लिए, सरकार ने 100 करोड़ रूपये आवंटित किए हैं।

•आदिवासी विकास विभाग के लिए कुल 3410 करोड़ का प्रावधान किया गया हैं। वहीं श्रम, कौशल विकास और रोजगार विभाग के लिए कुल 2538 करोड़ रूपये का प्रावधान भी सरकार की ओर से बजट में किया गया हैं।

•खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग के लिए कुल 2165 करोड़ का प्रावधान किया गया हैं। अहमदाबाद की खारीकट नहर के जीर्णोद्धार के लिए भी बजट में प्रावधान किया गया हैं। महिला और बाल विकास विभाग के लिए सरकार ने अपने बजट में कुल 6064 करोड़ का प्रावधान किया हैं।

•गुजरात के बजट में राष्ट्रीय दिव्यांग और संत सूरदास दिव्यांग पेंशन योजना का प्रावधान किया गया हैं। राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना, संत सूरदास दिव्यांग पेंशन योजना के लिए 58 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया हैं। विकलांग लोगों को सुविधा सहायता, एसटी बस में नि:शुल्क यात्रा का लाभ देने के लिए 52 करोड़ का प्रावधान किया गया हैं।

•बजट में ऐलान किया गया है कि, अनुसूचित जाति के लिए डॉ.सविता अम्बेडकर अंतर्जातीय विवाह सहायता हेतु 20 करोड़ का प्रावधान किया गया हैं।

•परिवार के सदस्य की मृत्यु होने पर परिवार को सहायता के लिए संकट मोचन योजनान्तर्गत 20 करोड़ का प्रावधान और पालक माता-पिता योजना के तहत निराश्रित बच्चों को मासिक सहायता प्रदान करने के लिए 73 करोड़ रूपये का प्रावधान बजट में किया गया हैं।

•बजट में मजदूरों को 5 रूपये में खाना देने का प्रावधान किया गया हैं।

•गुजरात में बजट के विकास कार्यों के लिए कई घोषणाएं की गई हैं। जैसे कि, हवाई पट्टी, एयरपोर्ट और हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए 215 करोड़ का प्रावधान किया गया हैं। धार्मिक, हेरिटेज, एडवेंचर और ईको टूरिज्म के तहत पर्यटन स्थलों के लिए 640 करोड़ का प्रावधान किया गया हैं। प्रतिष्ठित पर्यटन स्थलों के समेकित विकास हेतु 706 करोड़ का प्रावधान किया गया हैं। पर्यटन के विकास में तेजी लाने के लिए 277 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया हैं। जबकि द्वारका में नया एयरपोर्ट बनाने की भी बात कही गई हैं।